RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू. 1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:229 ता. 29 फरवरी 2024, गुरूवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

अखिलेश को अवैध खनन मामले में सीबीआई ने भेजा समन

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने पूछताछ के लिए समन भेजा है। सीबीआई की ओर से सीआरपीसी की धारा 160 के तहत समन भेजा गया है।

सीबीआई ने अखिलेश यादव को पूछताछ में गुरुवार को शामिल होने का समन दिया है। अवैध खनन घोटाला मामले में यह समन जारी किया गया है। अवैध खनन मामले में बतौर गवाह अखिलेश यादव को सीबीआई के समक्ष पेश होना है। मामले की जांच सीबीआई कर रही है। 29 फरवरी को इस मामले में गवाही होनी है। सीबीआई की ओर से अखिलेश यादव को समन भेजे जाने से के उत्तर प्रदेश में राजनीतिक माहौल गरमाना तय हो गया है। एफआईआर में गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

हिमाचल सीएम

इस्तीफे की अफवाह भाजपा ने फैलाई

- क्रॉस वोटिंग करने वाले संपर्क में

शिमला (एजेंसी)। क्रॉस वोटिंग और मंत्री के इस्तीफे के बीच हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने साफ किया कि उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया है। भाजपा अफवाह फैला रही है।

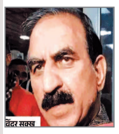

सुक्खू ने कहा कि जिन विधायकों ने राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग की, वो भी हमारे संपर्क में हैं। भाजपा पार्टी को तोड़ना चाहती है, लेकिन कांग्रेस संगठित है। पहले सुक्खू के इस्तीफे और फिर ऑब्जर्वर्स को इस्तीफे की पेशकश की खबर आई थी। प्रियंका गांधी ने ट्वीट किया कि हिमाचल में 25 विधायक वाली भाजपा, 43 विधायकों के बहुमत वाली कांग्रेस को चुनौती दे रही है।

कहां है शाहजहां शेख! संदेशखाली कांड में नया मोड़

कोलकाता (एजेंसी)। संदेशखाली कांड के मुख्य आरोपी शाहजहां शेख को लेकर पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी टीएमसी और विपक्षी पार्टी बीजेपी के बीच ठन गई है। बीजेपी की पश्चिम बंगाल इकाई के नेता शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को दावा किया कि संदेशखाली के भगोड़े टीएमसी नेता शाहजहां शेख कल रात से राज्य पुलिस की सुरक्षित हिरासत में हैं।

वहीं सत्तारूढ़ टीएमसी ने शुभेंदु के दावे को निराधार और कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने वाला बताते हुए खारिज कर दिया है। टीएमसी ने जोर देते हुए कहा कि पुलिस शेख को पकड़ने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। नंदीग्राम से विधायक शुभेंदु अधिकारी ने एक्स पर दावा किया कि शेख मध्यरात्रि 12 बजे से पुलिस हिरासत में है।

पीएम ने तमिलनाडु को दी 17,300 करोड़ की सौगात

कई प्रोजेक्ट किए लोकार्पित बोले- सच हमेशा कड़वा होता है

पीएम बोले-यूपीए सरकार ने आपके विकास की फिक्र नहीं की

चेन्नई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को तमिलनाडु के थूथुकुडी में 17 हजार 300 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स की नींव रखी। इनमें देश का पहला हाइड्रोजन हब पोर्ट और इनलैंड वाटर वे वेसल शामिल है। इस वेसल को हरित नौका इनीशिएटिव के तहत बनाया गया है। इसके साथ ही पीएम ने वीओ चिदंबरनार बंदरगाह पर आउटर हार्बर कंटेनर टर्मिनल की आधारशिला रखी। पीएम ने 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 75 लाइट हाउसेस में पर्यटक सुविधाएं भी राष्ट्र को समर्पित कीं। इसके अलावा 1,477 करोड़ की लागत से कन्याकुमारी, नागरकोइल और तिरुनेलवेली से चेन्नई तक के रेल प्रोजेक्ट्स और 4,586 करोड़ की चार सड़क परियोजनाओं का भी लोकार्पण किया। इसके अलावा पीएम ने कुलाशेखरपट्टीनम में इसरो के नए लॉन्च कॉम्प्लेक्स की नींव रखी। ये कॉम्प्लेक्स 986 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा। यहां से हर साल 24 लॉन्च किए जाएंगे।

- **तमिलनाडु के लोगों ने काशी को बहुत बड़ा उपहार दिया**- पीएम ने कहा कि जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया वे विकसित भारत के रोडमैप का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जिनमें एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना भी देखने को मिलेगी। आज भारत की पहली हाइड्रोजन ईंधन फेरी लॉन्च की गई है। यह फेरी जल्द ही काशी में गंगा नदी में चलेगी, यह एक तरह से तमिलनाडु के लोगों का काशी के लोगों को बहुत बड़ा उपहार है।
- **मैरीटाइम सेक्टर की ग्रोथ से तमिलनाडु की ग्रोथ होगी**- पीएम ने कहा कि केंद्र सरकार के प्रयासों से आज भारत मैरीटाइम और वाटरवेज के क्षेत्र में नए रिकॉर्ड बना रहा है। आने वाले समय में मैरीटाइम सेक्टर की ग्रोथ कई गुना बढ़ने वाली है और इसका तमिलनाडु के तटीय इलाकों पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा।

मणिपुर में एएसपी की किडनैपिंग के खिलाफ पुलिस का प्रदर्शन

कमांडोज ने अपने हथियार डाले, 200 लोगों ने एएसपी को घर से अगवा किया था

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में मंगलवार को किडनैप हुए एडिशनल एसपी अमित मायेंगबाम को पुलिस और सुरक्षाबल ने छुड़ा लिया है। मैतेई संगठन अरामबाई तेंगगोल के कैडर के 200 लोगों ने उनके घर से उनका अपहरण किया था। इंफाल ईस्ट की यह घटना मंगलवार शाम करीब 6.20 बजे की है।

बुधवार को मणिपुर पुलिस कमांडोज ने अपने हथियार डालकर इस घटना के खिलाफ प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने बताया कि एएसपी अमित को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इंफाल ईस्ट में एक बार फिर तनाव का मौहाल है। इस बीच स्थिति को कंट्रोल करने के लिए सेना बुलाई गई है और इलाके में असम राइफल्स की 4 टुकड़ियां तैनात की गई हैं। मंगलवार की शाम मैतेई संगठन के कुछ लोगों ने एएसपी अमित के घर पर हमला कर दिया।

गुजरात के पोरबंदर में 3300 केजी ड्रग्स जब्त

- इसकी कीमत 2 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा, 5 विदेशी तस्कर भी गिरफ्तार

पोरबंदर (एजेंसी)। गुजरात एटीएस, नेवी और सेंट्रल एजेंसी के संयुक्त ऑपरेशन के तहत मंगलवार को अरब सागर में भारतीय सीमा में 3300 किलो ड्रग्स जब्त की गई। इसकी कीमत 2 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा होने का अनुमान है। टीम ने ड्रग्स पैडलिंग करने वाले 5 विदेश पैडलर्स को भी गिरफ्तार किया है। पैडलर्स के ईरानी या पाकिस्तानी नागरिक होने की आशंका जताई जा रही है। कुछ दिनों पहले गिर सोमनाथ पुलिस ने वेरावल शहर के घाट पर बहकर आई 350 करोड़ रुपए की नशीली दवाएं जब्त की थीं। उसके बाद से ही दिल्ली नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, गुजरात एटीएस और अन्य केंद्रीय एजेंसियां पैडलर्स को पकड़ने के लिए ऑपरेशन चला रही थीं। इस ऑपरेशन के तहत समुद्री सीमा से मादक पदार्थों की अब तक की यह सबसे बड़ी जब्ती है। 3300 किलो ड्रग्स के साथ 5 विदेशी पैडलर्स ईरानी नाव में सवार थे।

अंबानी परिवार ने जामनगर के गांववालों को दिया भोज

कहीं हालारी पगड़ी पहनाकर तो कहीं आरती उतारकर हुआ अनंत का स्वागत

जामनगर (एजेंसी)। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट का प्री-वेडिंग फंक्शन 1 से 3 मार्च तक जामनगर में होना है। कार्यक्रम की तैयारियों के लिए अंबानी परिवार जामनगर पहुंच गया है। मंगलवार की रात परिवार ने जामनगर के आसपास के गांवों में लोक डायरा (भजन-लोकगीत) और सामूहिक भोज का आयोजन किया। कार्यक्रम में अनंत अंबानी भी शामिल हुए।

इस मौके पर गागवा गांव के लोगों ने हालारी पगड़ी पहनाकर तो नवानिया गांव में महिलाओं ने आरती उतारकर उनका स्वागत किया। जामनगर में खावड़ी के पास रिलायंस रिफाइनरी है। इसी के चलते अंबानी परिवार ने आसपास के कई गांवों में यह कार्यक्रम रखा था। गांव वालों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लोक डायरा और भोज का कार्यक्रम कई गांवों में रखा गया था। खुद अनंत अंबानी ने कुछ गांवों में शिरकत की।

कर्नाटक में राज्यसभा चुनाव के बाद लगे नारे पर विवाद

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में मंगलवार को राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस कैंडिडेट सैयद नसीर हुसैन की जीत के बाद नारे लगाने पर विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा का आरोप है कि हुसैन के समर्थकों ने मतगणना केंद्र से बाहर आने

भाजपा का आरोप

कांग्रेस कैंडीडेट की जीत के बाद पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगे

के बाद पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा- ये मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की तुष्टीकरण की राजनीति के खतरनाक खेल का नतीजा है। इसने देश विरोधी तत्वों और 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' को बढ़ावा दिया है। हमने पुलिस से इसकी शिकायत की है। वहीं भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने भी एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के राजनीतिक सचिव नसीर हुसैन के कर्नाटक से राज्यसभा चुनाव जीतने के बाद पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे

लगे। पाकिस्तान को लेकर कांग्रेस का जुनून खतरनाक है। यह भारत को विभाजन की ओर ले जा रहा है। हम इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते। भाजपा के आरोपों पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा- भाजपा के अलावा मीडिया ने भी ऐसे आरोप लगाए हैं।

3 मार्च को राजिम पहुंचेंगे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद और सदानंद सरस्वती

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ की धर्मस्व नगरी में आयोजित राजिम कुंभ कल्प में 3 मार्च को शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती के साथ वृंदावन और मध्यप्रदेश के संत भी पहुंचेंगे। उन्होंने राजिम कुंभ में पहुंचने की सहमति दे दी है। राजिम कल्प कुंभ समिति के सदस्य

गिरीश बिस्सा ने बताया कि डासना देवी मंदिर के महंत और श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद महाराज, वृंदावन आश्रम के प्रेमानंद महाराज को भी न्योता दिया गया है। मध्यप्रदेश के गुरुशरण शर्मा पंडोखर सरकार भी राजिम पहुंचेंगे। राजिम कुंभ में स्थानीय कलाकारों द्वारा लगातार कार्यक्रमों का आयोजन करके भक्तिमय माहौल बनाया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों ने इस तरह से कार्यक्रमों का आयोजन किया है, कि हर दिन भगवान राम से जुड़े हुए दो से चार कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। राजिम कुंभ में तीन महत्तवपूर्ण स्नान होंगे। पहला स्नान 24 फरवरी को माघ पूर्णिमा के दिन होगा। दूसरा स्नान चार मार्च जानकी जयंती के दिन होगा।

400 करोड़ से बन रहे क्रिकेट स्टेडियम की होगी जांच

21 दिन में 3 बड़े फैसले लेगा आरसीए, वैभव गहलोत के कार्यकाल की छानबीन शुरू

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजनीति में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) एक बार फिर चर्चा में आ गया है। एसोसिएशन के चेयरमैन वैभव गहलोत इस्तीफा दे चुके हैं। ऐसे में अब अगले 21 दिनों में राज्य सरकार और खेल विभाग आरसीए के संबंध में कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाने वाले हैं। खेल विभाग के स्तर पर आरसीए के बीते तीन वर्षों के काम-काज की जांच भी जल्द ही करवाई जाएगी। इस विषय में राज्य सरकार के स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और मुख्य सचिव सुधांश पंत के स्तर पर आरसीए के बारे में खास कार्ययोजना तैयार की जा रही है। सबसे पहले 21 दिनों के भीतर एजीएम (एनुअल जनरल मीटिंग) बुलाई जानी है। इस मीटिंग के बाद आरसीए के संबंध में तीन बिन्दुओं पर काम किया जाएगा। बाहरी तौर पर आरसीए की इस राजनीतिक लड़ाई में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व उनके पुत्र वैभव गहलोत एक तरफ हैं तो

दो दूसरे मोर्चों पर हैं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के पुत्र धनंजय सिंह खींवसर और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के पुत्र पराक्रम सिंह राठौड़। वैभव के इस्तीफा देने के बाद अब आरसीए की कुर्सी पर काबिज होने की लड़ाई कौन जीतेगा, इसका फैसला वैसे तो जिला संघों के पदाधिकारियों के हाथ में होगा, लेकिन आम तौर पर जिधर राज्य सरकार का संकेत होगा, वो पलड़ा स्वाभाविक रूप से भारी हो जाएगा। इस संबंध में अध्यक्ष धनंजय सिंह खींवसर ने बताया कि बहुत जल्द सब कुछ पटरी पर आ जाएगा।

उदयपुर के गर्ल्स हॉस्टल को 1 करोड़ देंगे अक्षय कुमार

- बच्चों को सरप्राइज देने पहुंचे, कॉपियां देखीं

उदयपुर (एजेंसी)। उदयपुर के राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद हरिओम आश्रम को अक्षय कुमार 1 करोड़ रुपए दान देंगे। यह हॉस्टल फिल्म स्टार अक्षय कुमार के पिता को समर्पित है। बुधवार सुबह अचानक अक्षय इस हॉस्टल पहुंच गए और बच्चों के साथ खूब मस्ती की। यहां की आरती में भी शामिल हुए। बच्चों की कॉपियां भी जांचीं। राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद के जनजाति सुरक्षा मंच के प्रदेश संयोजक लालूराम ने बताया- खेरवाड़ा के खोखादरा गांव में परिषद का हॉस्टल है। रोज की तरह बुधवार सुबह करीब 8 बजे यहां आरती हो रही थी। अचानक कई गाड़ियों का काफिला यहां रुका। सभी चौंक गए। सब सोचने लगे कि इतनी गाड़ियां एक साथ हॉस्टल में कहां से आ गईं।

गगनयान के अंतरिक्ष यात्री पहनेंगे रूस का 'कवच'

अंतरिक्ष में भारत को मिलेगी दोगुनी सुरक्षा, मिशन की बड़ी तैयारी

मॉस्को (एजेंसी)। भारत मंगल ग्रह तक अपना अंतरिक्ष यान और चांद पर लैंडर और रोवर पहुंचा चुका है। अब भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो इंसानों को स्पेस में पहुंचाना चाहती है। भारत पहले मानव अंतरिक्ष उड़ान गगनयान की तैयारी कर रहा है। इस पहली इंसानी उड़ान के लिए चार अंतरिक्ष यात्रियों का चयन हो गया है। मिशन के लिए रूस में बना स्पेससूट अंतरिक्ष यात्री पहनेंगे। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) चालक दल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रूस में बने अंतरिक्ष सूट पहनाने की प्रारंभिक योजना पर कायम है। हालांकि भारत ने भी स्वदेशी इंट्रा वेहिकल एक्टिविटी सूट पर काम किया है, जिसे विक्रम साराभाई स्पेस की ओर से विकसित किया गया था। अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक प्रोग्रामेटिक जरूरतों को देखते हुए और चालक दल की सुरक्षा को दोगुना करने के लिए गगनयान मिशन के लिए रूसी अंतरिक्ष सूट के इस्तेमाल को प्लान किया गया है। भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालाकृष्णन नायर, ग्रुप कैप्टन अजीत कृष्णन, ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप और विंग कमांडर सुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया है। भारत और रूस की फैसिलिटी में गगनयान मिशन के लिए यह पिछले पांच साल से ट्रेनिंग ले रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक चारो अंतरिक्ष यात्री सूट ट्रायल के लिए पहले ही रूस जा चुके हैं। रूसी स्पेस एजेंसी रोस्कोस्मोस की सहायक कंपनी ग्लावकोस्मोस ने पिछले साल एक बयान में कहा, 3 सितंबर 2023 को भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों ने ज्वेज्दा का दौरा किया, जहां स्पेससूट उत्पादन के लिए उनका नाप लिया गया। इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ ने पिछले महीने कहा था कि साल 2024 गगनयान का वर्ष होगा।

रुस से कच्चा तेल लेकर आ रहे तीन टैंकरों पर अमेरिका की ढ़ेडी नजर

नई दिल्ली ।फरवरी 2022 में शुरू हुए रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से ही भारत रूस से भारी मात्रा में रियायती कीमतों पर तेल खरीद रहा है।अगले कुछ सप्ताह में भी तेल लदे रूसी टैंकर भारत पहुंचने वाले हैं।लेकिन उन तीन टैंकरों की चर्चा हो रही है, जिन्हें अमेरिका ने बैन कर दिया है। इसके बावजूद तीनों टैंकर तेल लेकर भारत आ रहे हैं। अगले कुछ सप्ताह के दौरान भारतीय रिफाइन कंपनियों को कच्चा तेल पहुंचाने वाले टैंकर में कम से कम तीन टैंकर हैं, जिन्हें हाल ही में अमेरिका ने बैन किया है।अमेरिका ने 14 रूसी तेल टैंकरों को ब्लैक लिस्ट में डाल दिया था, क्योंकि वे पश्चिम देशों की ओर से लगाए गए प्राइस कैप से ज्यादा कीमत पर तेल निर्यात कर रहे थे।पश्चिमी देशों की ओर से रूसी तेल की प्राइस कैप 60 डॉलर प्रति बैरल है।भारत आ रहे तीन टैंकरों में से एक जॉर्जी मैस्लोव इस सप्ताह के अंत में सिक्का बंदरगाह पहुंचेगा। वहीं, एक अन्य टैंकर अनातोली कोलोडकिन भी अप्रैल में सिक्का बंदरगाह पर पहुंचेगा।इस महीने की शुरुआत में अनातोली कोलोडकिन टैंकर ने वाडिनार बंदरगाह पर कच्चे तेल की डिलीवरी की थी।ब्लैक लिस्ट में शामिल एक और टैंकर एनएस कैप्टन भी मार्च और अप्रैल में वाडिनार बंदरगाह पर तेल लेकर पहुंचेगा।हालांकि, उद्योग से जुड़े अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि ब्लैक लिस्टेड टैंकर से डिलीवरी से किसी बड़ी समस्या की कोई आशंका नहीं है।क्योंकि अमेरिका ने ब्लैक लिस्टेड टैंकर को 45 दिनों तक तेल निर्यात करने की अनुमति दी है।रिपोर्ट के मुताबिक, रूस एक महीने में भारत को चार दर्जन कार्गो की डिलीवरी करता है।सूत्रों के अनुसार, ब्लैक लिस्टेड टैंकर के 45 दिन हो जाने के बाद भारतीय रिफाइन कंपनियां इन टैंकरों की मदद से तेल नहीं आयात करेगी।सूत्रों के मुताबिक, भारत सरकार नहीं चाहती है कि भारतीय रिफाइन कंपनियां खुलेआम जी-7 के प्राइस कैप का उल्लंघन करे। पिछले कुछ महीनों के दौरान भारत आने वाले रूसी टैंकरों द्वारा प्राइस कैप का उल्लंघन के मामले सामने आए हैं। जिसके कारण भारतीय रिफाइन कंपनियों ने कार्गो को स्वीकार करने से इंकार कर दिया है।

पेटीएम के फील्ड मैनेजर की आत्महत्या के बाद पत्नी ने खाया जहर

इंदौर ।इंदौर में पदस्थ पेटीएम के फील्ड मैनेजर गौरव गुप्ता की खुदकुशी से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।घटना के तीसरे दिन गौरव की पत्नी ने भी जहर खाकर अपनी जान देने की कोशिश की है।लेकिन गनीमत रही कि समय रहते उनकी पत्नी को अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया, जिससे उनकी जान बच गई।पूरा घटनाक्रम बुधवार की सुबह का है।जब मृतक गौरव की पत्नी मोहिनी ने अपने घर में जहर खा लिया। मोहिनी बाथरूम में जब लड़खड़ाकर गिर गई तब परिजनों ने मोहिनी को संभाला। उसकी बिगड़ती हुई हालत को देखकर जब ससुराल पक्ष के परिजनों ने उससे पूछताछ की, तब पता चला कि उसने जहर खा लिया है।आनन-फानन में मोहिनी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया।उपचार के बाद फिलहाल मोहिनी की हालत में सुधार बताया गया है।खास बात यह है कि पूरे मामले में मृतक गौरव के ममेरे भाई नीरज गुप्ता ने सनसनीखेज खुलासा कर पूरे घटनाक्रम को एक नया मोड़ दे दिया है।नीरज गुप्ता ने दावा किया है कि मोहिनी 7 दिन पहले भी जहर खाना चाहती थी, और इस बात से गौरव भी परेशान था। दरअसल, पत्नी मोहिनी का कहना था कि पति गौरव नौकरी जाने के डर से परेशान थे और इसीलिए उन्होंने अपनी जान दे दी।जबकि मृतक के भाई नीरज ने दावा किया कि गौरव को नौकरी की कोई परेशानी नहीं थी।गौरव का सालाना 9 लाख का पैकेज था।साथ ही गौरव को अन्य कंपनियों से भी जॉब के ऑफर थे।भाई का दावा है कि उसकी गौरव से बात हुई थी।उसने किसी भी प्रकार की परेशानी से इंकार किया था।

सीबीआई ने अखिलेश यादव को भेजा समन, आज दिल्ली में पेश होने बुलाया

नई दिल्ली ।उत्तर प्रदेश में अवैध खनन मामले में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन (सीबीआई) ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव को तलब किया है।अखिलेश को 29 फरवरी को दिल्ली में सीबीआई के सामने पेश होने के लिए बुलाया गया।अखिलेश से बतौर गवाह पेश होने के लिए कहा गया है।सीबीआई ने अखिलेश को सीआरपीसी की धारा 160 के तहत नोटिस जारी किया है।उन्हें 21 फरवरी को नोटिस जारी किया गया है।अखिलेश को 29 फरवरी को दिल्ली में सीबीआई के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। नोटिस में कहा गया है कि जवाब देने के लिए अखिलेश को सीबीआई के सामने उपस्थित होना होगा। दरअसल अखिलेश को जनवरी 2019 में दर्ज की गई सीबीआई की उस एफआईआर के संबंध में तलब किया है, जो हमीरपुर में 2012-2016 के बीच कथित अवैध खनन से संबंधित है। जनवरी 2019 में तत्कालीन जिला मजिस्ट्रेट, खनन अधिकारी और अन्य सहित कई लोक सेवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। एफआईआर में आरोप है कि सरकारी कर्मचारियों ने हमीरपुर में खनिजों का अवैध खनन होने दिया।

इस मामले में एमपी एमएलए कोर्ट ने जया प्रदा को भगौड़ा घोषित किया

नई दिल्ली ।पूर्व सांसद और फिल्म अभिनेत्री जया प्रदा फिर चर्चा में हैं।यूपी की कोर्ट ने चुनाव आचार संहिता उल्लंघन मामले में जयाप्रदा को फरार घोषित किया है। उनके खिलाफ 5 साल पुराने आचार संहिता उल्लंघन से जुड़े मामले कोर्ट में विचाराधीन हैं और दोनों मामलों की सुनवाई के दौरान वे हाजिर नहीं हुई हैं।सात बार गैर जमानती वारंट भी जारी हुए हैं।जिसके बाद एमपी एमएलए की विशेष अदालत ने जयाप्रदा को भगौड़ा घोषित किया है।दरअसल 2019 में बीजेपी ने जयाप्रदा को लोकसभा चुनाव में अपना उम्मीदवार बनाया था। उनके सामने समाजवादी पार्टी से कैंडिडेट आजम खान थे। आरोप है कि प्रचार के दौरान जयाप्रदा ने आचार संहिता का उल्लंघन कर नूरपुर गांव में सड़क का उद्घाटन कर दिया था।मामले में जयाप्रदा के खिलाफ स्वार थाने में एफआईआर दर्ज हुई थी। इसी चुनाव प्रचार के दौरान जयाप्रदा जब पिपलिया मिश्र गांव में जनसभा को संबोधित कर एक आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी थी।यह मामला भी थाने पहुंचा था और एफआईआर दर्ज की गई। यानी दोनों मामले 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन से संबंधित हैं। कैमरी और स्वार थाना पुलिस ने दोनों मामलों में जांच पूरी की और एमपी-एमएलए की स्पेशल कोर्ट में चार्जशीट दायर की थी। अभियोजन पक्ष की गवाही पूरी हो चुकी है और अब सीआरपीसी की धारा 313 के तहत जया प्रदा का बयान दर्ज किया जाना है। पिछली कई तारीखों पर सुनवाई हुई, लेकिन जयाप्रदा अदालत में नहीं पहुंचीं। उनके खिलाफ 7 बार एनबीडब्लू (गैर जमानती) वारंट जारी किए गए। इसके वाबजूद जया कोर्ट में हाजिर नहीं हुईं।

चेन्नई में अवैध मस्जिद और मदरसे पर चलेगा बुलडोजर

–सुप्रीम कोर्ट ने मामले में दखल देने से किया इंकार

नई दिल्ली ।चेन्नई के कोयमबेडु में स्थित मशहूर मस्जिद और मदरसे को बहुत जल्द बुलडोजर से ध्वस्त किया जाएगा।सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर चेन्नई में बनाई गई मस्जिद और मदरसे को गिराने के हाईकोर्ट के आदेश में किसी भी तरीके से दखल देने से मना कर दिया।सुप्रीम कोर्ट ने माना है कि कोयमबेजु स्थित मस्जिद अवैध संरचना है।सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश पर मुहर लगा दी, जिसमें चेन्नई के कोयमबेडु में स्थित मस्जिद और मदरसे को ध्वस्त करने का निर्देश दिया गया था।सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट तौर पर कहा कि यह संरचना पूरी तरह से अवैध रूप से निर्मित है।सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने निर्दिष्ट भूमि पर संरचनाओं यानी मस्जिद और मदरसे को हटाने के लिए 31 मई तक का समय दिया।दरअसल, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें यह माना गया था कि मस्जिद का निर्माण बिना किसी भवन स्वीकृति योजना के अवैध रूप से किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान सार्वजनिक स्थानों या सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर बनाए गए धार्मिक स्थलों को हटाने के अपने पुराने आदेश का हवाला देकर कहा कि अथॉरिटीज की जिम्मेदारी है कि वह इसतरह के अवैध निर्माण हटाएं। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि अवैध रूप से बनाई गई इमारत धर्म की शिक्षा का स्थान नहीं हो सकती। दरअसल, मस्जिद जिस जमीन पर बनी है, वह चेन्नई मैट्रोपोलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी की है।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता संस्था अवैध कब्जेदार है।कभी भी इमारत का प्लान मंजूर कराने के लिए आवेदन नहीं किया। निर्माण पूरी तरह अवैध है। अथॉरिटीज की तरफ से नौ दिसंबर, 2020 को

राजनाथ सिंह ने कहा- माफियाओं के चंगुल से मुक्त कराएंगे आंध्र प्रदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ ने दावा करते हुए कहा है कि आंध्र प्रदेश में रेत,खनन,जमीन और शराब माफिया सक्रिय है। इनकी वजह से प्रदेश के विकास कार्य नहीं हो पा रहे हैं। आम जनता काफी परेशान है। जनहित और जनकल्याण कोसो दूर चला गया है। इस बार आंध्र प्रदेश की जनता ने राज्य की वाईएसआरसीपी सरकार को सबक सिखाने का मन बना दिया है। रक्षा मंत्री ने दावा किया कि इस बार यहां भाजपा की सरकार आते ही सबसे पहले इस माफिया के चंगुल से आंध्र प्रदेश को मुक्त कराएंगे।

राज्य के एक दिवसीय दौरे पर आए राजनाथ सिंह ने इससे पहले विजयवाड़ा में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक को संबोधित किया और विशाखापत्तनम में बुद्धिजीवियों को भी संबोधित किया। उन्होंने पार्टी की कोर ग्रुप बैठक की भी अध्यक्षता की, जिसमें प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डी. पुरदेश?वरी और अन्य नेता शामिल हुए।पिछले 10 वर्षों के दौरान भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा चौथी बार भी सत्ता में आएगी।भाजपा नेता ने रुपये के लिए वाईएसआरसीपी की आलोचना की। राज्य पर 7.5 लाख करोड़ का सार्वजनिक कर्ज है।उन्होंने कहा, यह वाईएसआरसीपी सरकार द्वारा टैक्स बढ़ाने के बावजूद है। मैं पूछना चाहता हूं कि पैसा किसकी जेब में जा रहा है। इसका पता लगाने की जरूरत है। उन्होंने पोलावरम परियोजना को पूरा नहीं करने के लिए वाईएसआरसीपी की आलोचना की और आरोप लगाया कि राज्य सरकार इसे पूरा करने में ईमानदार नहीं है।उन्होंने कहा, केंद्र ने पोलावरम के लिए 15,000 करोड़ रुपये दिए। इसे बहुत पहले ही पूरा हो जाना चाहिए था, लेकिन राज्य सरकार की कमजोरी के कारण यह पूरा नहीं हो सका। उन्होंने राज्य में सड़कों की खराब हालत पर भी राज्य सरकार की आलोचना की। केद्रीय मंत्री ने कहा कि वाईएसआरसीपी केंद्रीय योजनाओं को लागू करने में भी लापरवाही बरत रही है।उन्होंने कहा, केंद्र ने जल जीवन मिशन के लिए 4,000 करोड़ रुपये दिए हैं, लेकिन चूंकि राज्य सरकार का कोई योगदान नहीं है, इसलिए इसे यहां लागू नहीं किया जा सका। यह एक जनविरोधी और क्रूर सरकार है।उन्होंने कहा कि जहां अन्य पार्टियां अपने परिवारों को भगवान मानती हैं, वहीं भाजपा लोगों को भगवान मानती है और गरीबों के कल्याण के लिए काम करती है

मनमोहन से ज्यादा विदेश यात्राएं पीएम मोदी ने की, लेकिन विदेश में दिन कम बिताए

नई दिल्ली ।प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की संयुक्त अरब अमीरात और कतर की तीन दिवसीय यात्रा से हाल ही में लौटे थे, संभवत: उनके वर्तमान कार्यकाल में उनकी आखिरी विदेश यात्रा थी। विदेश मंत्रालय और पीएमओ की वेबसाइटों पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 15-16 जून, 2014 को भूटान की अपनी पहली यात्रा के बाद से मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में 76 विदेशी यात्राएं की हैं। उनके पूर्ववर्ती डॉ. मनमोहन सिंह ने अपने 10 साल के शासनकाल में 73 विदेशी दौरे पूरे किए, इसमें 29 जुलाई 2004 को बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए थाईलैंड की उनकी पहली यात्रा से लेकर 3 मार्च 2014 को उनकी आखिरी म्यांमार यात्रा शामिल थी।आंकड़ों से पता चलता है कि हालांकि पीएम मोदी ने अपने पूर्ववर्ती की तुलना में विदेश में कम दिन बिताए हैं, 275 दिन बनाम सिंह के 306 दिन, लेकिन उन्होंने किसी भी अन्य भारतीय प्रधान मंत्री की तुलना में अधिक व्यापक और कठिन यात्राएं की हैं।मोदी ने दक्षिण एशिया में देश के निकटतम पड़ोस और दक्षिण पूर्व, मध्य और पश्चिम एशिया में इसके विस्तारित इलाकों के साथ उच्चतम राजनयिक स्तर पर भारत की भागीदारी बढ़ा दी है।डॉ. सिंह ने अपने पहले कार्यकाल में 35 और दूसरे कार्यकाल में 38 विदेश दौरे किए।मोदी ने अपने पहले कार्यकाल में 49 और दूसरे कार्यकाल में 27 विदेशी दौरे किए।कोरोना महामारी के दो वर्षों का मतलब है कि मोदी ने 2020 में एक भी विदेशी यात्रा नहीं की और 2021 में केवल तीन, जबकि 2020 में कम से कम 16 द्विपक्षीय और बहुपक्षीय आभासी शिखर सम्मेलन और 2021 में कम से कम नौ में भाग लिया।

कांग्रेस नेता का बयान, पाकिस्तान बीजेपी के लिए दुश्मन देश है, हमारे लिए नहीं

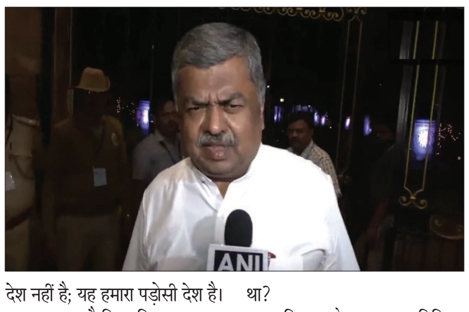

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस के पार्षद बीके हरिप्रसाद ने बुधवार को यह कहकर विवाद पैदा कर दिया कि भाजपा के लिए पाकिस्तान %दुश्मन देश% हो सकता है, लेकिन कांग्रेस उसे केवल पड़ोसी देश मानती है। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, राज्य भाजपा ने कांग्रेस पर ÷राष्ट्र-विरोधी भावनाओं÷ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। हरिप्रसाद ने यह टिप्पणी भाजपा के उन आरोपों के जवाब में की कि मंगलवार को राज्य में कांग्रेस की राज्यसभा जीत के बाद पाकिस्तान समर्थक नारे लगाए गए थे।

हरिप्रसाद ने विधान परिषद में कहा कि वे दुश्मन देश के साथ हमारे रिश्ते के बारे में बात करते हैं। उनके मुताबिक पाकिस्तान एक दुश्मन देश है। हमारे लिए पाकिस्तान कोई दुश्मन देश नहीं है; यह हमारा पड़ोसी देश है। उनका कहना है कि पाकिस्तान हमारा दुश्मन देश है। हाल ही में, उन्होंने लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित किया, जो लाहौर में जिन्ना की मजार पर गए और कहा कि उनके जैसा कोई दूसरा धर्मनिरपेक्ष नेता नहीं है। क्या तब पाकिस्तान दुश्मन देश नहीं था?

हरिप्रसाद के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, कर्नाटक भाजपा ने भारत के खिलाफ चार बार युद्ध छेड़ने के बाद भी पाकिस्तान को ÷शत्रु राष्ट्र÷ नहीं कहने के लिए कांग्रेस की आलोचना की और कहा कि पार्टी ÷राष्ट्र-विरोधी भावनाएं÷ रखती है। कर्नाटक बीजेपी ने एक्स पोस्ट में कहा कि पाकिस्तान के प्रति कांग्रेस का रुख और रुख क्या है बीके हरिप्रसाद ने सदन में साफ कर दिया। पाकिस्तान को भाजपा के लिए दुश्मन और पाकिस्तान को कांग्रेस कर्नाटक के लिए पड़ोसी बताकर यह स्पष्ट कर दिया है कि जवाहरलाल नेहरू और मोहम्मद अली जिन्ना के बीच घनिष्ठ संबंध वर्तमान पीढ़ी तक भी जारी है। भाजपा ने आगे लिखा कि विधानसभा में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने वालों के साथ खड़े होने के अलावा कांग्रेसियों की इस मानसिकता का अपमान किया जाए कि भारत के खिलाफ चार बार युद्ध की घोषणा कर चुका पाकिस्तान दुश्मन देश नहीं है, तो शब्द कम पड़ जाएंगे। हरि प्रसाद जैसी राष्ट्रविरोधी भावनाएँ कांग्रेस के सभी स्तरों पर व्याप्त हैं।

राजस्थान में फिर चौंका देगी भाजपा, आधे से अधिक नए चेहरों को मौका

जयपुर (एजेंसी)। दो महीने बाद होने वाले आम चुनाव के लिए भाजपा ने प्रत्याशियों के चयन की कवायद शुरू कर दी है। प्रत्याशियों के चयन के लिए 22 फरवरी को दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व की बैठक हो चुकी है। आगामी एक दो दिन में पार्टी के शीर्ष नेताओं की एक और बैठक होने वाली है। इस बार भाजपा आधे से ज्यादा प्रत्याशी बदलने के मूड में है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भी 6 प्रत्याशी बदल गए थे और नागौर सीट पर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के साथ गठबंधन किया था। इस बार भाजपा किसी भी दल के साथ गठबंधन नहीं करने वाली है। सभी 25 सीटों पर बीजेपी के प्रत्याशी ही चुनाव मैदान में उतरने वाले हैं। प्रत्याशियों के चयन को लेकर भाजपा हर बार चौंकाती रही है। चाहे लोकसभा चुनाव हो या विधानसभा चुनाव हर बार मोदी और शाह ने चौंकाया है। प्रत्याशियों का चयन केंद्रीय नेतृत्व अपने विवेक से लेता है। वर्ष 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने राजस्थान की सभी 25 सीटों पर जीत दर्ज की थी। सब जानते हैं कि बीजेपी प्रत्याशियों की जीत की सबसे बड़ी वजह नरेंद्र मोदी का नाम ही रहा। दोनों ही बार मोदी लहर रही और बीजेपी के प्रत्याशियों की जीत हुई। पिछले चुनाव में बीजेपी ने 6 सीटों पर प्रत्याशी बदले थे। इस बार आधे से ज्यादा यानी करीब 15 सीटों पर प्रत्याशी बदलने जाने की संभावना है। इसका एक कारण यह है कि पार्टी ने इस बार 6 लोकसभा सांसदों को विधानसभा चुनाव में उतारा था। विधानसभा चुनाव जीतने वाले तीन सांसद अब विधायक बन चुके हैं। इसके बाद इन 3 सीटों पर प्रत्याशी बदलना तय है। जो 3 सांसद लोकसभा चुनाव में हार गए थे। पार्टी उन्हें भी लोकसभा चुनाव में उतारने के मूड में नहीं है। दूसरा कारण यह है कि कई सांसदों को बीजेपी तीसरी बार रिपीट करने के मूड में बिल्कुल नहीं है। जिन सीटों पर प्रत्याशी बदले जा सकते हैं। उसमें जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, राजसमंद, अलवर, अजमेर, जालोर सिरोही, झुंझुनूं, टोंक सवाई माधोपुर, करौली धौलपुर, उदयपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ, भीलवाड़ा, दौसा और डूंगरपुर बांसवाड़ा शामिल है। इन सीटों में पार्टी नए प्रत्याशियों को अवसर देगी। हाल ही में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले महेंद्रजीत सिंह मालवीय को पार्टी लोकसभा चुनाव में उतार सकती है।

सीएम केजरीवाल देने जा रहे थे मुफ्त में बिजली, एलजी ने लगा दिया अड़ंगा

नई दिल्ली ।दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल बीके सक्सेना के बीच टकराव थमता नहीं दिखाई दे रहा है।दिल्ली सरकार ने आरोप लगाया है कि उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली सोलर पॉलिसी 2024 को रोक दिया है।दिल्ली सरकार का दावा था कि इस पॉलिसी के लागू होने के बाद दिल्ली में हर बिजली उपभोक्ता का बिल जीरो हो जाएगा।मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 29 जनवरी को एक प्रेस कांफ्रेंस करके खुद इसे लॉन्च किया था।बता दें कि दिल?ली सरकार ने नई सोलर नीति लागू करने का ऐलान किया था।इसके तहत अपने घर की छत पर सोलर पैनल लगाने वाले लोगों को फ्री बिजली मुहैया कराने की तैयारी थी।हाल में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जनवरी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राजधानी में दिल्ली सोलर पॉलिसी 2024 लॉन्च करने का ऐलान किया था।इस पॉलिसी के तहत दिल्ली के सभी लोगों को घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाने के लिए प्रेरित किया जाएगा. जिसके लिए दिल्ली सरकार की तरफ से सब्सिडी भी दी जाएगी।सरकार ने योजना को लुभावना बनाने के लिए लोगों के लिए इंसेंटिव देने का भी ऐलान किया है।लोग जितनी बिजली इससे प्रोड्यूस करेंगे, उनके खाते में उसके हिसाब से पैसे भी डाले जाएंगे।

बिहार में गहराया जल संकट, फरवरी में ही सूखने लगी प्रमुख नदियां

पटना (एजेंसी)। ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण की वजह से पर्यावरण असंतुलित हो रहा है। असंतुलन की वजह से मौसम पर असर पड़ रहा। बारिश नहीं होने की वजह से नदियां फरवरी के महीने में ही सूखने लगी हैं। गर्मी शुरू होने से पहले ही बिहार की कई नदियों के सूखने से चिंता बढ़ गई है। नदियों में पानी की जगह सफेद बाली की धुल उड़ने लगी है। नेपाल के पहाड़ी इलाके से निकलने वाली उत्तर बिहार की सबसे बड़ी गंडक नदी, जिसे नारायणी नदी के नाम भी जानते हैं, सूखने लगी है। गोपालगंज के इलाकों में गंडक सूख गई है। गंडक के साथ घोघारी, दाहा, छाड़ी, स्याही, खनुआ, धमई नदियों का जलस्तर भी तेजी से सूखने लगी है। इलाके के किसान नदियों के सूखने से चिंतित हैं। क्षेत्र के किसान बताते हैं कि एक जमाना था कि किसी भी कोने में बीस फीट की गहरायी पर पीने योग्य पानी उपलब्ध था। तब यहां से बहने वाली गंडक सहित तमाम छोटी-बड़ी नदियों में सालों भर पानी रहता था। समय के साथ गर्मी के समय में नदियां सूखने लगीं और इसका असर जलस्तर नीचे गिरने के रूप में दिखा है। किसानों का कहना है कि फरवरी में ही गंडक, छाड़ी, घोघारी सहित अन्य नदियां पूरी तरह सूखने के कगार पर है, इसके बाद भी प्रशासनिक स्तर पर ध्यान नहीं दिया गया तब भविष्य के लिए जल संकट की मुसीबत आ सकती है। गंडक नदी गोपालगंज के किसानों के लिए लाइफलाइन मानी जाती है। नदी के पानी से कई छोटी नदियां और सारण प्रमंडल के मुख्य नहर में पानी जाता है। इन नदियों और नहरों से इलाके के किसान खेतों में सिंचाई करते थे। गंडक नदी यूपी के कुशीनगर के अहिरौलीदान से प्रवेश करती है और गोपालगंज के कुचायकोट प्रखंड, सदर प्रखंड, मांझा, बरौली, महम्मदपुर और बैकुंठपुर प्रखंड होकर सारण जिला के सोनपुर में गंगा में मिल जाती है।

जयराम रमेश ने पीएम मोदी पर लगाया कांग्रेस की सरकारों को गिराने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पीएम मोदी पर राज्यों में कांग्रेस की सरकारों को ?गिराने का आरोप लगाया है। बता दें कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस का सियासी संकट अब एक कदम और आगे बढ़ चुका है क्योंकि वीरभद्र सिंह के बेटे विक्रमादित्य सिंह ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। वहीं सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी क्लीयर कर दिया कि उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया है और बजट के दौरान उन्होंने अपना बहुमत साबित कर दिया है। इस पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पीएम मोदी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मोदी जी की एक ही गारंटी है कि सभी कांग्रेस सरकारों को गिराओ। उन्होंने दावा किया कि राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के जरिए हमारी सरकार को गिराने की साजिश रची गई। हमारे तीन बड़े नेता शिमला में हैं, हमें कड़े फैसले लेने होंगे। हम कठोर फैसले लेने से पीछे नहीं हटेंगे। जयराम रमेश ने कहा कि हमारे पर्यवेक्षक सभी विधायकों से बातचीत कर शिकायतों को दूर करने की कोशिश करेंगे।

उन्होंने दावा किया कि जो जनादेश हमें मिला है, उसे पूरा करेंगे। कांग्रेस पार्टी और संगठन सर्वोपरि है। हमारी प्राथमिकता हिमाचल प्रदेश में सरकार बचाना है क्योंकि वहां की जनता ने बीजेपी को नकारकर स्पष्ट बहुमत हमारी पार्टी को दिया था। वहीं राज्यसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस महासचिव जयराम ने कहा, हम राज्य सभा नहीं जीत पाए, उससे हम इनकार नहीं कर रहे हैं। अभिषेक मनु सिंघवी ये सीट नहीं जीत पाए। हम इस बात को स्वीकार कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी की ओर से हिमाचल प्रदेश में तीन पर्यवेक्षक भेजे गए हैं। इनमें हरियाणा के पूर्व सीएम भूपिंदर सिंह हुड्डा, छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल और कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार शामिल हैं।

झारखंड के बाद अब बिहार में खेला की तैयारी, इंडिया गठबंधन बिखरने की कगार पर

पटना (एजेंसी)। इंडिया गठबंधन अब बिखरने की कगार पर पहुंच गया है। इसका अंदाजा झारखंड के बाद अब बिहार में हो रही हलचल को देखकर लगाया जा सकता है। दरअसल पिछले 24 घंटे के अंदर देश की सियासत में खलबली मच गई है। विपक्षी दलों के नेता भाजपा को लगातार ज्वाइन कर रहे हैं। बिहार में आरजेडी और कांग्रेस के तीन और विधायकों ने पाला बदल लिया। सोमवार तक विधानसभा में विपक्ष में बैठने वाले तीनों विधायक मंगलवार को सत्ता पक्ष की ओर बैठे दिखे। विश्वासमत के दिन 12 फरवरी को आरजेडी के तीन विधायक- चेतन आनंद, प्रहलाद यादव और नीलम देवी सत्ता पक्ष में आकर बैठ गए थे। बिहार में नीतीश कुमार के विश्वासमत के दौरान आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने खेल करने की धमकी दी थी। उनकी योजना थी कि किसी तरह सत्ता पक्ष के सात-आठ विधायकों को तोड़ लिया जाए, ताकि नीतीश कुमार की सरकार गिर जाए। कहा जाता है कि टूटने के लिए सत्ता पक्ष के विधायकों को लोकसभा का टिकट, सरकार बनने की स्थिति में मंत्री पद और नकद का प्रलोभन दिया गया था।

लेकिन तेजस्वी का दांव उल्टा पड़ गया। उनके ही तीन विधायकों ने पाला बदल लिया था। उसके बाद मंगलवार को विपक्ष के फिर तीन विधायक टूट गए। उन्होंने भाजपा जॉइन की है। इसके बाद भी विधायकों के पाला बदलने का सिलसिला जारी है। मंगलवार को टूटने वाले विधायकों में दो कांग्रेस के हैं, जबकि एक विधायक राजद के हैं। कांग्रेस के मुरारी गौतम और सिद्धार्थ सौरव ने पाला बदला तो राजद की मोहनिया से विधायक संगीता देवी ने तेजस्वी का साथ छोड़ दिया है। वहीं सोमवार को झारखंड के सिंहभूम की कांग्रेस सांसद गीता कोड़ा और उनके पति पूर्व सीएम मधु कोड़ा ने भाजपा दफ्तर पहुंच कर सदस्यता जॉइन की थी।

जानकार बता रहे हैं कि विपक्ष की जो हालत बनती जा रही है, उसमें अब विपक्षी पार्टियों को अपना घर संभालना मुश्किल हो रहा है। यूपी में समाजवादी पार्टी के विधायकों ने राज्यसभा चुनाव में खुलेआम क्रास वोटिंग की। हिमाचल प्रदेश में क्रास वोटिंग हुई। झारखंड, बिहार और महाराष्ट्र से कांग्रेस और आरजेडी में टूट की खबरें आईं। बंगाल में ममता ने कांग्रेस और वामपंथियों से हाथ मिलाने से अब मना कर दिया है। पंजाब में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को ठेंगा दिखा दिया। ऐसे में भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के उनके सपने टूटते जा रहे हैं।

माली में हादसा, पुल से नीचे गिरी बस, 31 की मौत

बामाको ।अफ्रीकी देश माली में मंगलवार को बड़ा सड़क हादसा हुआ है।जिसमें 31 लोगों की मौत हो गई। यह घटना पश्चिमी शहर के केनीबा में उस समय हुई, जब एक बस नदी पर बने पुल से नीचे जा गिरी।इस सड़क हादसे में 10 लोगों के घायल होने की खबर है।घटना को लेकर परिवहन मंत्रालय ने कहा कि मंगलवार को माली में 31 लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब बुर्किना फासो की ओर जा रही एक बस देश दक्षिण-पूर्व स्थित एक पुल से गिर गई। ये हादसा स्थानीय समयानुसार शाम पांच बजे हुआ। इस दुर्घटना का कारण वाहन से ड्राइवर के नियंत्रण हटने को बताया जा रहा है। पश्चिम अफ्रीका में सड़क दुर्घटनाएं अधिक होती हैं, जहां सार्वजनिक परिवहन अक्सर अत्यधिक भरा होता है और खराब तरीके से नियंत्रित होता है। संयुक्त राष्ट्र के 2023 के आंकड़ों से पता चलता है कि दुनिया में यातायात से होने वाली मौतों में से लगभग एक चौथाई मौतें अफ्रीका में होती हैं।

मालदीव से रवाना हुआ चीन का जासूसी जहाज

माले ।चीन का रिसर्च जहाज मालदीव से रवाना हो गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले हफ्ते चीन का 4500 टन वाला हाई टेक रिसर्च जहाज मालदीव पहुंचा था, जो बुधवार को वहां से रवाना हुआ। इस लेकर आधिकारिक तौर पर कहा गया कि चीनी जहाज जियांग यांग होंग 3 अपने कर्मियों के रोटेशन और पुन:पूर्ति के लिए एक पोर्ट कॉल करने के लिए मालदीव आया था।जानकारी में बताया कि 22 फरवरी को माले में डॉकिंग के बाद जियांग यांग होंग 03 मालदीव के विशेष आर्थिक क्षेत्र की सीमा पर लौट आया है। हालांकि, माले बंदरगाह से जाने करने के बावजूद ट्रैकिंग साइटों ने दो दिन पहले हुलहुमाले के पास जहाज का आखिरी संकेत दिखाया है। हुलहुमाले माले से लगभग 10 किमी उत्तर पूर्व में है। जहाज 23 फरवरी को माले के पश्चिम में लगभग 7.5 किमी दूर थिलाफुशी में ठहरा हुआ था। रिपोट्स के मुताबिक, ऐसी संभावना जताई जा रही है कि जहाज ने 22 जनवरी को माले के रास्ते में ट्रैकिंग सिस्टम को बंद दिया होगा। जियांग यांग होंग 03 को साल 2016 में चीन के राज्य महासागरीय प्रशासन के बेड़े में शामिल किया गया था। इस जहाज की लंबाई 100 मीटर और वर्तमान में इसका वजह 4,500 टन है। चीन 2019 से इस जहाज का इस्तेमाल डिस्टेंट वाटर और डीप सी सर्वे के लिए करता है। इससे पहले 5 जनवरी को श्रीलंका ने चीनी जहाज को अपने जल क्षेत्र में दाखिल नहीं होने दिया था।

इजरायल और हमास जंग से भूखमारी की कगार गाजा, लोगों को नहीं मिल रहा खाना

गाजा ।गाजा में इजरायल और हमास के बीच चल रही भीषण जंग के बीच हालात बेहद नाजुक होते जा रहे हैं। सबसे ज्यादा वहां के आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। लाखों फिलिस्तीनी भूखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं। इसी बीच जॉर्डन से हवाई मदद जरूर पहुंची है। लेकिन ये मदद भी नाकाफी साबित हो रही है। क्योंकि भूखे लोगों की संख्या लाखों में हैं, जबकि मदद के चंद पैकेट ही आसमान से नीचे बरसाए जा रहे हैं। इसी बीच हमास और इजरायल के बीच सीजफायर की सूचना भी सामने आ रही है। वहीं जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला की तरफ से खाद्य और चिकित्सा मदद हवाई ड्रॉप ऑपरेशन के ज़रिए पहुंचाया गया। इसके लिए चार सी-130 विमान तैनात किए गए। हालांकि इस हवाई ड्रॉपिंग के दौरान कुछ कुछ सामाग्री समुद्र में गिर गया। इस नावों से वापस लाया गया। इजरायली हमलों की वजह से गाजा की 23 लाख की आबादी में से 85 फीसदी लोग भूखमरी की कगार पर पहुंच गए हैं। इस बीच सबसे बड़ी राहत की बात ये है कि इजरायल और हमास के बीच चल रहे संघर्ष के थमने के आसार दिख रहे हैं। गाजा में सीजफायर के लिए जहां फ्रांस, कतर और मिस्त्र में कई दौर की बातचीत हुई हैं। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उम्मीद जाहिर की हैं कि अगले सोमवार तक इजरायल-हमास संघर्ष में युद्धविराम हो जाएगा।

अमेरिका को दरकिनार कर गैस पाइपलाइन परियोजना पर काम कर रहा पाकिस्तान

इस्लामाबाद । पाकिस्तान ने कहा कि अमेरिकी प्रतिबंध उस समय ईरान-पाकिस्तान (आईपी) गैस पाइपलाइन परियोजना पर लागू नहीं हो सकते हैं, जब वे अपने क्षेत्र में पाइपलाइन बिछाने जा रहा है। पाकिस्तान कह रहा है वहां बस पाइपलाइन बिछा रहा है, उस ईरान से नहीं जोड़ रहा है, इसकारण अमेरिकी प्रतिबंध उस पर लागू नहीं हो सकते। पाकिस्तान की कार्यवाहक सरकार ऊर्जा मंत्री मुहम्मद अली ने कहा, मुझे नहीं लगता कि ईरान-पाकिस्तान प्रोजेक्ट के इस स्टेज पर कोई प्रतिबंध लगना चाहिए। पाकिस्तान ने ईरान पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद आईपी प्रोजेक्ट से जुड़ी पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया है। इस लेकर जानकारों का कहना है कि पाकिस्तान को यह फैसला इसलिए लेना पड़ा है क्योंकि वे पाइपलाइन में देरी को लेकर किसी तरह का जुर्माना नहीं भरना चाहता। जब पाकिस्तानी मंत्री से आईपी प्रोजेक्ट पर अमेरिकी प्रतिबंधों को लेकर सवाल किया गया तब उन्होंने कहा कि आईपी गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट के संबंध में अमेरिकी क्या चाहते हैं, इसकी उन्हें जानकारी नहीं है, हालांकि, उन्होंने कहा कि फिलहाल पाकिस्तानी क्षेत्र में 80 किलोमीटर पाइपलाइन पर काम होगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी क्षेत्र में पाइपलाइन प्रोजेक्ट को पूरा करने में लगभग 1.5 साल लगेगा। पाकिस्तानी मंत्री ने कहा, गैस की आपूर्ति के लिए उस ईरान से जोड़ने में अभी काफी समय लगेगा। कार्यवाहक मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान ने साल 2009 में गैस पाइपलाइन के लिए ईरान के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किया था। इसके तहत पाकिस्तान प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए बाध्य है। पाकिस्तान ने पिछले साल मई में कहा था कि अगर वे आईपी प्रोजेक्ट को आगे नहीं बढ़ाता है, तब पाकिस्तान को ईरान को 18 अरब डॉलर का जुर्माना देना पड़ेगा। पाकिस्तान के पास न इतना पैसा है और न ही वे अमेरिकी प्रतिबंधों को पूरी तरह नजरअंदाज कर सकता है।

फिलीपींस में आग लगने से चार की मौत

मनीला, । फिलीपींस में लुसेना शहर के एक आवासीय इलाके में शुक्रवार को आग लग गई। जिसमें कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। लुसेना पुलिस ने कहा कि मृतकों में दो बुजुर्ग व्यक्ति, 18 तथा 8 साल की उम्र के दो अन्य लोग शामिल हैं। यह सभी जले हुए घरों में से एक में एक साथ रह रहे थे। स्थानीय समयानुसार सुबह 3.45 बजे लगी आग को और सुबह 6.26 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। पुलिस ने कहा कि पीड़ित घर के अंदर फंस गए और उनके शव दमकलकर्मियों को मिले। जबकि, गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पातल पहुंचाया गया है। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

नेपाल में आर्थिक अनियमितता के मामले में दो बैंक के सीईओ सहित 10 गिरफ्तार

नेपाल। नेपाल पुलिस की केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) ने करोड़ों रुपये की आर्थिक अनियमितता के आरोप में दो बैंकों के सीईओ समेत 10 कर्मचारियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सहकारी बैंक घोटाले की जांच में जुटी सीआईबी को एक सहकारी कंपनी के खिलाफ भ्रष्टाचार मामले की जांच के दौरान पता चला कि दोनों बैंक ने आय स्रोत और डिपॉजिट से अधिक लोन मुहैया कराया है। उसकी जांच होने पर उसमे बैंक के क्रेडिट विभाग के कर्मचारी, बैंक मैनेजर से लेकर बैंक के सीईओ तक की संलिप्तता पाई गई। सीआईबी की प्रमुख एवं नेपाल पुलिस की एआईजी किरण बज्राचार्य ने मीडियाकर्मियों को बताया कि प्रभु बैंक के सीईओ मनोज न्यौपाने, सेंचुरी बैंक के सीईओ तुलसीराम गौतम सहित 10 कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि देउराली सहकारी घोटाला मामले की जांच के बाद पिछले महीने गिरफ्तार इस बैंक के संचालक रवीन्द्र चौलागाइ के बयान और उनके पास से बरामद दस्तावेजों के आधार पर कर्मचारी और सीईओ को गिरफ्तार किया गया है। बज्राचार्य के मुताबिक़ नेपाल राष्ट्र बैंक ने लोन देने के लिए जो गाइडलाइन जारी किया है उसके मुताबिक किसी भी व्यक्ति या कंपनी को उसके द्वारा बैंक में रखे गए आय स्रोत और संपत्ति का सिर्फ 40 प्रतिशत ही लोन दिया जा सकता है, लेकिन सेंचुरी बैंक और प्रभु बैंक ने देउराली सहकारी बैंक के संचालक रवीन्द्र चौलागाई को उनके द्वारा बैंक में दिखाए गए 1.14 अरब की संपत्ति के बदले 2.11 अरब रुपये का लोन दिया है। बैंक से लोन लेने के बाद फरार चल रहे चौलागई को सीआईबी ने कड़ी मशक्कत के बाद विदेश से गिरफ्तार किया था और नेपाल नेकर आई थी। सीआईबी प्रमुख का कहना है कि इस तरह के कई अन्य सहकारी घोटाले की जांच चल रही है जिसमे कुछ और बैंकों के अधिकारियों की गिरफ्तारी हो सकती है।

वारसा में पोलैंड के किसानों ने प्रदर्शन के दौरान आग लगा दी जिसके कारण चारों ओर धूआं उठने लगा।

ट्रंप और बाइडन का राष्ट्रपति पद के लिए फिर हो सकता है मुकाबला

वॉशिंगटन। जिस तरह से अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार चुनाव जीत रहे हैं उससे संभावना जताई जा रही है कि आने वाले समय में वाइडेन और ट्रंप का आमना सामना हो सकता है।जो बाइडन ने मिशिगन में डेमोक्रेटिक प्रेसिडेंशियल प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल की है। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी डीन फिलिप्स को डेमोक्रेटिक प्रेसिडेंशियल प्राइमरी चुनाव में मात दी है।इस जीत के साथ ही राष्ट्रपति जो बाइडन साल 2024 में होने वाले चुनाव की रेस में एक कदम और आगे बढ़ गए हैं। इसके अलावा पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रिपब्लिकन की तरफ से मिशिगन प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल की है। इससे पहले ट्रंप ने आयोवा, न्यू हैम्पशायर, नेवादा, यूएस वर्जिन आइलैंड्स और निक्की हेली के गृह राज्य साउथ कैरोलिना में जीत हासिल की थी।दोनों नेताओं को मिशिगन चुनाव में मिली जीत के साथ ही राष्ट्रपति पद के रेस में जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच सीधा मुकाबला होने के प्रबल आसार हैं। हालांकि, निक्की हेली ने साउथ कैरोलिना चुनाव में हार के बाद भी राष्ट्रपति पद की रेस में बने रहने की बात कही है। उन्होंने एक बयान में कहा कि वह अपने चुनावी अभियान को आगे भी जारी रखेंगी।

महत्वपूर्ण सत्र से पहले चीनी संसद में क्या हो गया? बर्खास्त चीनी मंत्री किन गैंग ने अपनी सदस्यता से दिया इस्तीफा

बीजिंग (एजेंसी)। पिछले साल अनौपचारिक रूप से बर्खास्त किए जाने के बाद लापता होने वाले पूर्व चीनी विदेश मंत्री किन गैंग ने अगले सप्ताह चीन की राष्ट्रीय विधायिका के प्रमुख वार्षिक सत्र से पहले इस्तीफा दे दिया। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) की स्थायी समिति ने मंगलवार को यहां अपना सत्र समाप्त कर एक बयान में कहा कि तियानजिन म्यूनिसिपल पीपुल्स कांग्रेस ने आगामी वार्षिक संसदीय सत्र में एक प्रतिनिधि के रूप में किन का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के एजेंडे की नियमित मंजूरी के लिए एनपीसी को चीन की रबर-स्टैंप संसद माना जाता है, जिसका वार्षिक सत्र 5 मार्च को शुरू होने वाला है, जिसमें कई नए कानूनों पर कानून बनाया जाएगा और देश की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के कदमों पर चर्चा की जाएगी, जो मंदी में है। हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, एनपीसी के बयान में कहा गया है कि किन को एनपीसी से बर्खास्त या निष्कासित नहीं किया गया है, बल्कि उन्होंने इस्तीफा दे दिया है।

राष्ट्रपति शी जिनपिंग के करीबी विश्वासपात्र माने जाने वाले 57 वर्षीय किन को सात महीने के कार्यकाल के बाद जुलाई में एक बड़े राजनीतिक आश्चर्य में बर्खास्त कर दिया गया था। बाद में एनपीसी ने एक प्रस्ताव पारित कर किन को बर्खास्त कर दिया और उनके पूर्ववर्ती वांग यी को फिर से नियुक्त किया, जो सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के विदेश मामलों के आयोग के निदेशक भी हैं। यह पहली बार है जब किन का नाम एनपीसी से उनके इस्तीफे के रूप में सामने आया, जिसे तकनीकी आवश्यकता माना जाता है।

प्रयास सफल हुए तो गाजा में रमजान के दौरान रहेगी शांति

यरुशलम (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि संघर्ष विराम समझौता अगले सप्ताह तक लागू हो सकता है। बाइडन की टिप्पणियों पर इजरायल की प्रतिक्रिया नहीं आई है, वहीं हमास के अधिकारी अहमद अब्देल-हादी ने संकेत दिया कि समझौते के बारे में कुछ भी कहना अभी जल्दबाजी है। उन्होंने कहा, हम अपनी किसी भी मांग को नहीं छोड़ने वाले। अभी समझौता नहीं हुआ है। समझौते को लेकर कतर में मंगलवार को भी बातचीत हुई है। वार्ता में कतर, मिस्त्र और अमेरिका मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। मिस्त्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि संघर्ष विराम समझौते के मसौदे में 300 फलस्तीनी कैदियों के बदले में 40 बंधकों की रिहाई शामिल है - जिनमें ज्यादातर महिलाएं, नाबालिग और बुजुर्ग लोग शामिल हैं।एक अधिकारी ने कहा कि प्रस्ताव है कि छह सप्ताह के संघर्ष विराम में हर दिन सैकड़ों ट्रकों को गाजा में अत्यंत आवश्यक सहायता लाने की अनुमति दी जाएगी। इस दौरान शेष बंधकों की रिहाई पर बातचीत जारी रहेगी। रमजान की शुरुआत अगले महीने से हो रही है। इससे पहले नवंबर के अंत में लगभग 240 फलस्तीनियों के बदले लगभग 100 बंधकों को रिहा किया गया था, इनमें ज्यादातर महिलाएं, बच्चे और विदेशी नागरिक थे।

इस बीच इजरायली रक्षा बलों ने मंगलवार को कहा कि इजराइली सैनिकों ने गाजा सिटी जिले में हथियार फैक्ट्री और रॉकेट लॉन्चर को नष्ट कर दिया है। सेना ने एक सुरंग के अंदर कई आतंकियों को भी मार गिराया।अनुसार ईरान समर्थित सशस्त्र संगठन हिजबुल्ला ने मंगलवार को इजरायली हवाई निगरानी अड्डे पर रॉकेटों की बौछार की। इजरायल ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए हिजबुल्ला के सैन्य ठिकानों पर लड़ाकू विमानों से हमले किए। इजरायली सेना ने पुष्टि की कि लेबनान से लगभग 35 रॉकेट उत्तरी इजरायल के माउंट मेरोन में एक सैन्य हवाई नियंत्रण इकाई को निशाना बनाते दिखे। रिपोर्ट के अनुसार किसी के मरने या घायल होने की सूचना नहीं है। इजरायल ने सोमवार को भी लेबनान में हवाई हमला किया था। इस हमले में हिजबुल्ला के दो लड़ाके मारे गए थे। इजरायल ने यह हमला तब किया जब उसके एक हमलावर ड्रोन को हिजबुल्ला लड़ाकों ने मार गिराया। संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों ने सभी पक्षों से संघर्ष खत्म करने का आग्रह किया है।

भारती एंटरप्राइजेज के मालिक सुनील भारती मित्तल को ब्रिटेन का नाइटहुड सम्मान, भारत-ब्रिटेन के व्यापारिक संबंधों को बढ़ावा देने का श्रेय

लंदन (एजेंसी)। भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक और अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल किंग चार्ल्स III द्वारा मानद नाइटहुड, नाइट कमांडर ऑफ द मोस्ट एक्सीलेंट ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर से सम्मानित होने वाले पहले भारतीय नागरिक बन गए हैं। केबीई ब्रिटिश संप्रभु द्वारा नागरिकों को दिए जाने वाले सर्वोच्च सम्मानों में से एक है। इसके जरिए विदेशी नागरिकों को मानद उपाधि से सम्मानित किया जाता है।

यूके कैबिनेट कार्यालय द्वारा अनावरण किए गए मानद ब्रिटिश पुरस्कारों की सूची में, मित्तल को ब्रिटिश साम्राज्य के सबसे उत्कृष्ट आदेश के तहत केबीई प्राप्त होता है जो ब्रिटिश सम्राट द्वारा दिए गए सर्वोच्च सम्मानों में से एक है। 66 वर्षीय उद्यमी ने एक बयान में कहा कि वह किंग चार्ल्स की ओर से मिले सम्मान से बहुत आभारी हैं। ब्रिटेन और भारत के ऐतिहासिक संबंध हैं, जो अब बढ़ते सहयोग और सहयोग के एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं। मैं हमारे दो महान देशों के बीच आर्थिक और द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को मजबूत करने की दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

उन्होंने कहा कि मैं यूके सरकार का आभारी हूं, जिसका समर्थन और व्यापार की जरूरतों पर गहरा ध्यान देश को एक आकर्षक निवेश गंतव्य बनाने में महत्वपूर्ण रहा है। किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया जाने वाला केबीई, विदेशी नागरिकों को मानद क्षमता से प्रदान किया जाता है। जबकि यूके के नागरिकों को दी जाने वाली नाइटहुड उन्हें सर या डेम की उपाधि देती है, गैर-यूके नागरिकों को उनके नाम के बाद KBE (या महिलाओं के लिए DBE) सम्मान से सम्मानित किया जाता है। मानद केबीई के पिछले भारतीय प्राप्तकर्ताओं में रतन टाटा (2009), रविशंकर (2001) और जमशेद ईरानी (1997) शामिल हैं, जिन्हें दिवंगत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय द्वारा प्रदान किया गया था।

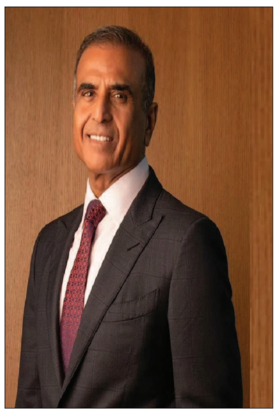

भारत के गगनयान मिशन पर पाकिस्तानियों ने अपनी सरकार को कोसा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत अंतरिक्ष में एक नई कामयाबी हासिल करने वाला है। भारत गगनयान मिशन के द्वारा चार अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेस में भेजेगा। पीएम मोदी ने इन अंतरिक्ष यात्रियों के नाम की घोषणा की है। अंतरिक्ष यात्री अभी ट्रेनिंग प्रकिया से गुजर रहे हैं। लेकिन अंतरिक्ष में यह नई छलांग पाकिस्तान को दर्द दे रही है। पाकिस्तान की आवाम ने कभी चंद्रयान-2 मिशन के फेल होने का जश्न मनाया था। लेकिन चंद्रयान 3 की कामयाबी के बाद पाकिस्तानी अवाम अपने हुक्मरानों को कोसने लगी। अब गगनयान मिशन पर पाकिस्तानी बौखला गए हैं। पाकिस्तान के पास भी अपनी स्पेस एजेंसी है, जिसका नाम सुपारको है। लेकिन अंतरिक्ष के क्षेत्र में इसका कोई योगदान नहीं दिखता। पाकिस्तान में कई लोग हैं, जो भारत से स्पेस में प्रतिस्पर्धा करना चाहते हैं। इसतरह के कुछ लोगों से पाकिस्तान की यूट्यूबर ने बात की। इसमें एक शख्स ने कहा कि भारत कामयाब हो या न हो, लेकिन वह मेहनत कर रहा है। क्या पाकिस्तान ने उसकी एक फीसदी भी कोशिश की है?

पाकिस्तान के नौजवान शख्स कह रहे हैं कि स्पेस में जाने के कई फायदे हैं। हम इससे पैसा भी कमा सकते हैं। वहीं कामयाबी से पूरे देश को प्रेरणा मिलती है। जब उस शख्स से पूछा गया कि क्या भारत को कामयाबी मिलेगी, उस शख्स ने कहा कि जरूरी नहीं कि कामयाबी मिले, अच्छी बात है कि वह मेहनत कर रहे हैं। बिलाल नाम के शख्स ने कहा, हम इंडिया से बहुत पीछे हैं। आईटी और स्पेस टेक्नोलॉजी में भारत हमसे 100 साल आगे है। एक अन्य पाकिस्तानी ने कहा, चार लोग जा रहे हैं। इसमें काफी पैसा लगेगा। अंतरिक्ष में जाने वालों की जिंदगी बेहद महत्वपूर्ण होगी, इसके बाद भारत ने पूरी गणना की होगी। उन्होंने कहा, मोदी साहब बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। हमारी सरकार को भी उसी तर्ज पर काम करना चाहिए।

भारत के पड़ोसी देश में घुसे 3 लाख रूसी और 20 हजार यूक्रेनी, मच गया बवाल

(एजेंसी)। भारत के पड़ोसी देश में रूस और यूक्रेन के लाखों लोग घुस आए हैं। यूक्रेन और रूस जंग के बीच इन दोनों देशों के लोग बड़ी संख्या में जहां होंगे वहां बवाल होना तय है। अब भारत के पड़ोसी देश को इसी बवाल का डर सता रहा है। ये देश श्रीलंका है जहां रूस और यूक्रेन के लाखों लोग आ गए हैं। हालात ये हो गई है कि श्रीलंका ने इन लोगों को जल्द ही देश छोड़ने के लिए कहा है। श्रीलंका ने यूक्रेन युद्ध के कारण समाप्त हो चुके विस्तारित वीज़ा पर द्वीप राष्ट्र में रह रहे हजारों रूसियों और यूक्रेनियों को दो सप्ताह के भीतर छोड़ने के लिए कहा है। यह निर्णय सोशल मीडिया पर अवैध रूप से चल रहे रूसी-संचालित व्यवसायों और केवल श्वेत नीति के साथ संचालन करने और स्थानीय लोगों को अनुमति नहीं देने पर प्रतिक्रिया के बीच आया है। आव्रजन अधिकारियों ने श्रीलंका के पर्यटन मंत्रालय को एक नोटिस जारी किया है कि रूसी और यूक्रेनी पर्यटकों को 23 फरवरी से शुरू होने वाले दो सप्ताह के भीतर द्वीप राष्ट्र छोड़ देना चाहिए क्योंकि उनके वीजा की अवधि समाप्त हो गई है।

वीजा खत्म होने के बाद भी श्रीलंका में टिके

3 लाख रूसी और 20 हजार यूक्रेनी श्रीलंका पहुंच गए। श्रीलंकाई पर्यटन मंत्रालय ने कहा कि उन्हें रूसियों और यूक्रेनियन लोगों द्वारा लंबे समय तक श्रीलंका में रहने और अपने रेस्तरां और नाइट क्लब स्थापित करने, विदेशियों को रोजगार देने और स्थानीय प्रणालियों को दरकिनार करते हुए सेवाओं के लिए भुगतान विधियों का उपयोग करने की शिकायतें मिली हैं। श्रीलंका के पर्यटन मंत्री हरिन फर्नांडो ने डेली मिरर को बताया कि मंत्रालय को कुछ रूसियों के देश के दक्षिणी हिस्से में अवैध कारोबार चलाने की शिकायतें मिली थीं। द इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि आव्रजन विभाग के साथ परामर्श के बाद छापे मारे गए।

श्रीलंका को सता रहा डर

हालाँकि, राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के कार्यालय ने एक नोटिस जारी किया जिसमें यूक्रेनियन और रूसियों को कैबिनेट की मंजूरी के बिना छोड़ने के लिए कहने के फैसले की जांच का आदेश दिया गया। राष्ट्रपति के मीडिया प्रभाग के अनुसार, श्रीलंकाई सरकार ने यूक्रेनी और रूसी पर्यटकों को दिए गए वीज़ा विस्तार को रद्द करने के लिए आधिकारिक तौर पर कोई निर्णय नहीं लिया है।

इमरान खान के परमानेंट रूप से जेल में रहने का किया जा रहा इंतेजाम, कोर्ट ने पत्नी बुशरा को भी लपेटा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की एक अदालत ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी तीसरी पत्नी बुशरा बीबी को मंगलवार को इस आरोप में दोषी ठहराया कि उन्होंने अपने प्रधानमंत्रित्व काल के दौरान अपने कार्यालय का दुरुपयोग करके कथित तौर पर रिश्वत के रूप में जमीन प्राप्त की थी। नए आरोप 8 फरवरी के राष्ट्रीय चुनाव से पहले के महीनों में खान के खिलाफ दोषसिद्धि की श्रृंखला के बाद आए हैं, जहां उनके समर्थकों ने कुल मिलाकर सबसे अधिक सीटें जीती थीं।

71 वर्षीय खान अन्य मामलों के सिलसिले में अगस्त से जेल में हैं और पहले आरोपों से इनकार कर चुके हैं। उन्हें पहले ही चार मामलों में 14 साल तक की जेल की सजा के साथ दोषी ठहराया गया था जिसमें दो भ्रष्टाचार के आरोप भी शामिल थे, जिसने उन्हें 10 साल तक राजनीति में भाग लेने से भी अयोग्य घोषित कर दिया था। सुरक्षा कारणों से उनकी सुनवाई जेल परिसर में हो रही है।

एनएबी ने अल कादिर यूनिवर्सिटी ट्रस्ट के नाम पर सैकड़ों नहर भूमि के कथित अधिग्रहण के संबंध में इमरान खान, उनकी पत्नी और अन्य के खिलाफ जांच शुरू की थी, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी खजाने को 190 मिलियन पाउंड का नुकसान हुआ था। आज सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि मामले में 58 गवाहों के बयान दर्ज किये जायेंगे। न्यायाधीश ने पीटीआई संस्थापक के खिलाफ आरोप तय करते समय उनसे पूछा कि क्या वह दोषी हैं या नहीं। इस पर खान ने कहा कि जब मैं जानता हूं कि इसमें क्या लिखा है तो मुझे आरोप पत्र क्यों पढ़ना चाहिए? खान और उनकी पत्नी दोनों ने तब अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया था।

संपादकीय

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

विज्ञान का हमको अनुपम उपहार मिला है जिसके गहन अध्ययन और ठोस चिंतन ने प्रगति के अभिनव द्वार खोले है । हम सभी यह जानते हैं कि work place पर मेहनत और हुनर सबसे ज्यादा काम आता है लेकिन बिना आत्मविश्वास और प्रसन्नता के न तो काम में संतुष्टि मिलती है और न ही किया गया काम सफल हो पाता हैं। और इधर देखे तो हमारा मन भी बड़ा चंचल है, वह हमेशा चलायमान ही रहता है जैसे धड़ी का पेण्डुलम की तरह ही डोलता रहता है, क्योंकि ज़रूरी नही की काम का बोझ ही इंसान को थका दे बल्कि कुछ ख़यालों का बोझ भी थका देता है ।हम जब तक मन से स्वीकार नहीं करते ,जबरदस्ती से काम सफल नहीं होगा । इंसान की उत्पत्ति ही अपने आप में एक सबसे बड़ा अजुबा है ।भगवान ने इंसान की बड़ी अद्भुत रचना बनायी है ।शरीर एक, पर उसके हर अंग का क़ार्य अलग अलग ।इंसान का दिमाग़ इतना शक्तिसाली होता है जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते ।आज जो क़ार्य कम्प्यूटर कर रहा है उसकी देन भी एक इंसान ही है और इस तरह ना जाने कितने-कितने अविश्वसनीय अविष्कार भी इंसान की ही देन है। आज वैज्ञानिक युग है ।सब चीज़ों का अकल्पित विकास हो रहा हैं ।क्या हृदय का,क्या दिमाग़ का,क्या बुद्धि का,और क्या सुख सुविधाओं आदि का और इन्हें प्राप्त करना समाज के विकास का मान दंड बन गया है । विज्ञान की क्रांति ने पूरे परिवेश को बदल दिया हैं । विज्ञान के आविष्कार आज मशीन बना रहे है ।साधनों और सुविधाओं में दिल का सुकून दे रहे है। मानवीय भावनाओ ने नया मोड़ लिया है । विज्ञान के सहारे इंसान जीता जागता रोबोट बना सकता हैं। विज्ञान के सहारे इंसान ने दिमाग़ का द्वार खोल दिया है । हम ज़रा इस बात पर ग़ौर करे कि विज्ञान की अदभुत देन से इन्सान चाँद तक पहुँच गया है ।असम्भव काम को सम्भव बना दिया हैं । चिंतन-मनन-अध्ययन से भाग्य सवाया हो जाएगा और हमेशा हमारे जीवन का प्रवाहमान संवाद होगा । विज्ञान की तरक्की के कारण आजकल कितने कारखाने खुल गए हैं जिसकी हमे कभी कल्पना भी नहीं थी । इस तरह विज्ञान की अदभुत देन से हमने असम्भव काम को सम्भव बनते हुए देखा है ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष	पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।
वृषभ	व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।
मिथुन	दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।
कर्क	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
सिंह	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।
कन्या	सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।
तुला	पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
वृश्चिक	शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
धनु	आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।
मकर	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
कुम्भ	दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।
मीन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

सीएए नागरिकता देने का कानून है, न कि छीनने का

(लेखक - आशीष वशिष्ठ)

नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए को लेकर पूरे देश में एक बार फिर से चर्चा तेज हो गई है। इससे पहले भी नागरिकता संशोधन कानून को लेकर कई बार विवाद देखने को मिल चुके हैं। इसकी लंबे समय से प्रतीक्षा थी कि नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए कब अमल में आएगा। क्योंकि जनवरी 2020 में राष्ट्रपति की मुहर लगने के साथ यह कानून अस्तित्व में आ गया था। सीएए कानून को लेकर उस वक्त देशभर में खूब विरोध प्रदर्शन हुआ था। विशेषकर पूर्वोत्तर के राज्यों में सीएए का सबसे ज्यादा विरोध देखने को मिला था। पूर्वोत्तर के सात राज्य सीएए कानून से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। वहां तोड़फोड़ की कारण करोड़ों की संपत्ति का नुकसान हुआ था। चार वर्ष की देरी के बाद यह प्रतीक्षा पूरी होने जा रही है। दरअसल, बीते दिनों कई अवसरों पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बयान दिया है कि कि लोकसभा चुनाव से पहले सीएए को देश में लागू कर दिया जाएगा।

यह कानून मुख्य रूप से गैर मुस्लिम देशों में प्रताड़ित होकर भारत आने वाले नागरिकों को भारत की नागरिकता प्रदान करेगा। इस कानून के लागू होने से भारत के तीन पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए उन लोगों को भारत की नागरिकता मिलेगी, जो दिसंबर 2014 तक अपने देशों में किसी न किसी प्रताड़ना का शिकार होकर भारत आ गए हैं। इन लोगों में गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यक हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई शामिल हैं। दरअसल, ये लोग उन देशों में अल्पसंख्यक हैं। जाने किस त्रास या संकट में उन्हें उन देशों को छोड़ कर आना पड़ा। यहां के नागरिक न होते हुए भी दिक्कतों, मुसीबतों को गले लगाकर यहां जीवन बिताना पड़ रहा है। इसलिए इन सबको नागरिकता देकर यहां यानी भारत में सम्मान दिए जाने के इरादे से यह कानून लाया जा रहा है।

ऐसे में अब प्रश्न उठता है कि यह कानून भलाई के रूप में सामने लाया जा रहा है तो अब तक इसे टाला क्यों जाता रहा? इसका विरोध क्यों किया जा रहा है? या विरोध कर कौन रहा है? दरअसल, पूर्वोत्तर के राज्य इसका विरोध इसलिए कर कर रहे हैं क्योंकि उनका तर्क है कि इन बाहर के लोगों को नागरिकता देने से उनके राज्य में भीड़ बढ़ जाएगी और उनकी परंपराएं, संस्कृति और तमाम रीति-रिवाजों पर बड़ा फर्क पड़ेगा। वे सब बिखर जाएंगे। वहीं सीएए का विरोध मुस्लिम समुदाय भी कर रहा है। वास्तव में, इस कानून में इन तीन देशों से आए मुसलमानों को नागरिकता देने से बाहर रखा गया है। कई आलोचकों का मानना है कि इस कानून से मुसलमानों से भेदभाव हो रहा है और ये भारत में समानता की संवैधानिक गारंटी का उल्लंघन करता है।

विपक्ष का सबसे बड़ा विरोध यह है कि इसमें खासतौर पर मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाया गया है। उनका तर्क है कि यह संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है जो समानता के अधिकार की बात करता है। बता दें कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में एक बड़े वर्ग का कहना है कि अगर नागरिकता संशोधन कानून 2019 को लागू किया जाता है तो पूर्वोत्तर के मूल लोगों के सामने पहचान और आजीविका का संकट पैदा हो जाएगा। जानकारों की मानें तो इस कानून में किसी भी भारतीय, चाहे वह किसी मजहब का हो, की नागरिकता छीनने का कोई प्रावधान नहीं है। भारत के मुस्लिमों या किसी भी धर्म और समुदाय के लोगों की नागरिकता को इस कानून से कोई खतरा नहीं है। यह कानून उन लोगों पर लागू होगा, जो 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से भारत आए थे। इसमें प्रवासियों को वह अवधि साबित करनी होगी कि वे इतने समय में भारत में रह चुके हैं। उन्हें यह भी साबित करना होगा कि वे अपने देशों से धार्मिक उत्पीड़न की वजह से भारत आए हैं। वे लोग उन भाषाओं को बोलते हैं, जो संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल हैं। उन्हें नागरिक कानून 1955 की तीसरी सूची की अनिवार्यताओं को भी पूरा करना होगा। इसके बाद ही प्रवासी आवेदन के पात्र होंगे। लंबे समय से भारत में शरण लेने वालों को इससे बड़ी राहत मिलेगी।

जहां तक विपक्ष के विरोध का सवाल है उसका कहना है कि इस कानून में मुस्लिमों को वंचित क्यों रखा गया? यह समानता के कानून का उपहास उड़ाने की तरह है। सरकार का कहना है कि जिन देशों के शरणार्थियों को नागरिकता देने का प्रावधान किया जा रहा है, वहां मुस्लिम अल्पसंख्यक नहीं, बल्कि बहुसंख्यक हैं। इसलिए उन्हें इस देश में यानी भारत में नागरिकता देने का कोई मतलब नहीं है। वो उनके देश हैं, वे वहां खुशी से रहें। भारत सरकार वंचितों की मदद करना चाहती है, इसलिए इन तीनों देशों के वे गैर मुस्लिम नागरिक जो वर्षों पहले यहां आ गए थे उन्हें सम्मान दिया जा रहा है। इसमें गलत क्या है? लेकिन अब विपक्ष के इस विरोध में ज्यादा दम नहीं रहा। यही वजह है कि जल्द ही इस कानून को लागू करने की कवायद की जा रही है। हो सकता है इसी महीने।

संसद ने दिसंबर 2019 में संबंधित विधेयक को मंजूरी दी थी और बाद में राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद इसके विरोध में देश के कुछ हिस्सों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए थे। सीएए को लेकर देश में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिली थीं। कई राजनीतिक दलों ने भी इसका विरोध किया था। इस वजह से सरकार ने रूल स फ्रेम करने में देरी की थी पर अब सीएए रूल स का नोटिफिकेशन होम मिनिस्ट्री ने जारी करने की पूरी तैयारी कर ली है।

सीएए बिल के संसद के दोनों सदनों से पास होने के बाद 4 राज्य इसके विरोध में विधानसभा में प्रस्ताव पारित कर चुके हैं। सबसे पहले केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने दिसंबर 2019 में सीएए के खिलाफ प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि यह धर्मनिरपेक्ष नजरिए और देश के ताने-बाने के खिलाफ है। इसमें नागरिकता देने से धर्म के आधार पर भेदभाव होगा। इसके बाद पंजाब और राजस्थान की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने विधानसभा में सीएए के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया। चौथा राज्य पश्चिम बंगाल था, जहां इस बिल के विरोध में प्रस्ताव पारित किया गया। 2019 में संसद द्वारा पारित सीएए का ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी विरोध कर रही है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा था- बंगाल में हम सीएए, एनपीआर और एनआरसी की अनुमति नहीं देंगे।

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने दिसंबर 2021 में राज्यसभा में बताया था कि वर्ष 2018, 2019, 2020 और 2021 के दौरान पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए कुल 3,117 अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता दी गई। हालांकि आवेदन 8,244 मिले थे। वहीं गृह मंत्रालय की 2021-22 की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल-दिसंबर 2021 में कुल 1,414 विदेशियों को भारतीय नागरिकता दी गई।

मीडिया से मिल रही जानकारी के अनुसार नियम तैयार हैं और ऑनलाइन पोर्टल भी तैयार है, क्योंकि पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। आवेदकों को वह वर्ष बताना होगा, जब उन्होंने यात्रा दस्तावेजों के बिना भारत में प्रवेश किया था. आवेदकों से कोई दस्तावेज नहीं मांगा जाएगा ।सीएए को लागू करने का वादा पश्चिम बंगाल में पिछले विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में भाजपा का एक प्रमुख चुनावी मुद्दा था। अच्छा होता कि यह काम और पहले कर दिया जाता, क्योंकि बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के जो अल्पसंख्यक जान बचाकर भारत आने में सफल रहे, वे यहां की नागरिकता पाने का इंतजार कर रहे हैं। उनकी संख्या अच्छी-खासी है। वे अल्पसंख्यक होने के कारण ही इन तीनों देशों में प्रताड़ित किए गए। उनके पास प्रताड़ना से बचने के लिए भारत आने के अलावा और कोई उपाय नहीं था। इस मुद्दे पर राजनीति होना दुर्भागयपूर्ण ही कहा जाएगा। आखिरकार यहां प्रश्न उन हजारों लोगों की जिंदगियों का है जो भारत की नागरिकता लेकर सुख शांति से जिंदगी बिताना चाहते हैं।

(स्वतंत्र पत्रकार)

जहां श्रीकृष्ण की कलाई में आज भी चल रही है नब्ज़!

(लेखक - डॉ. श्रीगोपाल नारसन)

दुनिया मे एक ऐसा भी श्रीकृष्ण का अनुठा मंदिर है, जहां मौजूद श्रीकृष्ण की मूर्ति में अभी भी प्राण हैं और श्रीकृष्ण की कलाई की नब्ज़ सामान्य व्यक्ति की तरह चलती है ।श्रीकृष्ण की यह मूर्ति सांस भी लेती है, यानि हम कह सकते है कि श्रीकृष्ण की यह प्रतिमा जीवित स्वरूप में प्रतिष्ठित है ।इस श्रीकृष्ण की इस मूर्ति की कलाई पर एक घड़ी बंधी है,जिसे कभी एक अंग्रेज ने बांधा था। अंग्रेज को जब पता चला कि श्रीकृष्ण की मूर्ति में प्राण है, तो उसने सच्चाई परखने के लिए श्रीकृष्ण की कलाई में घड़ी बांध दी ।हैरत की बात यह है कि श्रीकृष्ण की कलाई में घड़ी बांधते ही वह चल पड़ी ।जबकि घड़ी में कोई सेल नही है और उसमें चाबी भरने की भी व्यवस्था नही है ।यह घड़ी सेल से नहीं,श्रीकृष्ण की कलाई की पल्स रेट से चलती है। 50 से भी अधिक साल से यह घड़ी निरंतर चल रही है और समय भी ठीक बताती है ।मंदिर के पुजारी श्रीकृष्ण जी के श्रृंगार के समय जब घड़ी उतारते हैं तो यह घड़ी बंद हो जाती है ।ओर पुनः घड़ी पहनाते है तो फिर से चलना शुरू हो जाती हैं ।ऐसे में हम कह सकते है कि जयपुर के इस रहस्यमयी श्रीकृष्ण मंदिर में आज भी भगवान श्रीकृष्ण का दिल धड़कता है। शरीर त्याग देने के बाद सभी की हृदय गति रुक जाती है, लेकिन भगवान श्रीकृष्ण ने शरीर त्याग दिया ,फिर भी उनका हृदय अभी तक धड़क रहा है ।द्वापर युग में जब भगवान श्री हरि विष्णु ने श्रीकृष्ण के रूप में अवतार लिया तो यह उनका मानव रूप था। सृष्टि के नियम मुताबिक हर मानव की तरह इस रूप की मृत्यु निश्चित थी। भगवान श्रीकृष्ण ने महाभारत युद्ध के 36 साल बाद अपनी देह को त्याग दिया था। जब पांडवों ने उनका अंतिम संस्कार किया तो श्रीकृष्ण का पूरा शरीर अग्नि में समा गया, लेकिन उनका हृदय धड़कता ही रहा था। उनके हृदय को अग्नि जला नहीं पायी। इस दृश्य को देखने के बाद पांडव अंचभित रह गए। तब आकाशवाणी हुई कि यह ब्रह्म का हृदय है इसे समुद्र में प्रवाहित कर दें। इसके बाद पांडवों ने भगवान श्रीकृष्ण के हृदय को समुद्र में प्रवाहित कर दिया।

स्वामीनारायण ने 9 अक्टूबर सन 1828 को इस मंदिर में श्रीकृष्ण की इस अदभुत मूर्ति को प्राण प्रतिष्ठित किया था। इस मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के अलावा राधा और हरिकृष्ण यानी स्वामीनारायण की प्रतिमा को भी उनके जाने के बाद प्रतिष्ठित किया गया है ।स्वामीनारायण के माता-पिता धर्मदेव और भक्तिमाता और वासुदेव की पूजा भी मंदिर में की जाती है। मंदिर में बलदेवजी और सूर्यनारायण की मूर्ति भी है ।मई सन 2012 में मंदिर के शिखरों को सोने से मढ़वाया गया था, जिससे यह गुजरात का पहला मंदिर बन गया जिसमें स्वर्ण शिखर हैं ।इसी तरह झुंझुनूं जिले के सुलताना कस्बे में गोपीनाथ मंदिर का निर्माण करीब 260 साल पहले तत्कालीन शासक हाथी सिंह की रानी की इच्छा पर करवाया गया था ।इस मंदिर में रात के समय कोई नहीं रुक सकता। यदि कोई रुकना भी चाहे तो उसके साथ ऐसी घटनाएं होती हैं कि उसे रात को ही मंदिर से बाहर जाना पड़ता है ।गांव के बुजुर्ग व मंदिर पुजारी इसके पीछे दैवीय शक्ति बताते हैं ।मंदिर जितना पुराना है, इसका इतिहास भी उतना ही अनूठा है ।इस मंदिर में संत की भगवान गोपीनाथ की प्रतिमा से बातें होती है। एक दिन तत्कालीन राजा हाथी सिंह का पुत्र बीमार हो गया, जान बचने की कोई संभावना नहीं थी ।तब हाथी सिंह अपने पुत्र को लेकर ध्यानदास के पास गए और साधु के चरणों में पुत्र को रख दिया। कहते हैं कि ध्यानदास ने जैसे ही हाथी सिंह के बेटे के सिर पर हाथ फेरा, वह खड़ा हो गया ।उस दिन से ध्यानदास के प्रति उनकी श्रद्धा बढ़ गई ।हाथी सिंह की रानी ने भी उनके बारे में सुना था। वे ध्यानदास के पास गईं और उन्हें अपना गुरु बना लिया।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक वरिष्ठ पत्रकार है)

जीना इसी का नाम है

किसी से भी नहीं डरते हैं बाबा रामदेव

(लेखक - सनत जैन)

सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि को कड़ी फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी दवा के विज्ञापनों पर रोक लगा दी है ।सर्वोच्च न्यायालय ने बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को अदालत की मानहानि करने का नोटिस भी जारी कर दिया है। बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण भारत की उन विलक्षण प्रतिभाओं में शामिल है। जिन्होंने कुछ ही वर्षों में अपने साम्राज्य को बुद्धि, विवेक और ताकत के बल पर सारे देश में फैला दिया है। बाबा जो कहते हैं। वह करते नहीं हैं। जो करते हैं, वह कहते नहीं हैं। बाबा रामदेव को किसी का डर भी नहीं लगता है। यह निर्भीकता उन्हें कहां से मिली है। इसके बारे में लोग तरह-तरह की चर्चाएं करते हैं। बाबा रामदेव अपने बड-बोलेपन और मनमानी के लिए सारे देश में जाने जाते हैं। 2014 के बाद से बाबा रामदेव बड़े ताकतवर शख्स के रूप में उभरे हैं। पिछले 10 वर्षों में बाबा का कारोबार भी बड़ी तेजी के साथ आसमान छूने लगा है। बाबा बहुत कम समय में बहुत बड़ी सफलता प्राप्त करने के लिए, बाबा रामदेव तरह-तरह के दावे करते हैं। पहले जिन चीजों का विरोध करते हैं, फिर उन्हीं का धंधा करने लगते हैं। इसके बाद भी बाबा को कभी किसी का कोई डर नहीं रहता है। बाबा जो करना चाहते हैं, वह कर ही लेते हैं। कोविड की दवा बेचकर बाबा ने करोड़ों रुपए की कमाई की। एलोपैथी दवा को उन्होंने जानलेवा बता दिया। जिसके कारण एलोपैथी के डॉक्टर और अंग्रेजी दवाओं की कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की ओर से 17 अगस्त 2022 को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। इस याचिका में कहा गया था कि पतंजलि ने कोविड वैक्सीन और एलोपैथी के खिलाफ दुष्प्रचार किया है। उन्होंने पतंजलि की आयुर्वेदिक दवाओं से कोविड की बीमारी ठीक करने का झूठा प्रचार किया है। सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट पहले भी पतंजलि कंपनी को झूठे दावे करने वाले विज्ञापनों को बंद करने के लिए आदेश जारी कर चुकी थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी पतंजलि ने विज्ञापन बंद नहीं किये। विज्ञापनों में जनता से झूठे दावे करते रहे। जब यह मामला फिर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए आया, तब न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की संयुक्त खंडपीठ ने कहा, पतंजलि भ्रामक दावे करके देश के नागरिकों को धोखा दे रही है। पतंजलि के दावों का कोई ठोस प्रमाण नहीं है। पतंजलि की दवाओं से स्थाई रूप से कोई बीमारी ठीक हो रही है। ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज एक्ट के अनुसार कोई भी दवा कंपनी इस तरह का विज्ञापन नहीं दे सकती हैं। इसके बाद भी बाबा की कंपनी पतंजलि के विज्ञापनों में दावा किया जा रहा है। योग गुरु बाबा की देश में पिछले कुछ वर्षों में कई तरह की छबियां बनी है। कभी वह ब्लैक मनी खत्म करने की बात कर अर्थशास्त्री बन जाते हैं। कभी पेट्रोल 35 रुपये लीटर देने के जुमले अपने भक्तों को दे देते हैं। कुछ वर्ष पहले उन्होंने योग से बीमारियों को ठीक करने का दावा किया था। अब योग के साथ-साथ दवा के साथ बीमारी ठीक होने की बात कर रहे हैं। उन्होंने एलोपैथी चिकित्सा को नकारते हुए आयुर्वेदिक चिकित्सा से सही इलाज और सर्वोत्तम बता दिया। बाबा ने पतंजलि की दवाइयां बेचने के लिए झूठे विज्ञापन करके एलोपैथी के खिलाफ मुहिम छेड़ दी थी। जिससे नाराज डॉक्टर भी अब उनके पीछे पड़े हुए हैं। बाबा को सुप्रीम कोर्ट का भी डर नहीं लगता है। बाबा को अपनी आलोचनाओं का भी डर नहीं लगता है। बाबा को शर्म भी नहीं आती है। जो दावे उन्होंने किए थे, यदि वह पूरे नहीं हो रहे हैं। तो इसमें उन्हें कोई शर्म नहीं है। बाबा की दुकान में सब कुछ बिक रहा है। दवाओं के साथ-साथ खाद्य पदार्थ और कपड़े भी पतंजलि के स्टोर में बिक रहे हैं। योग के शिविर लगाकर बाबा करोड़ों रुपए की कमाई करते हैं। सही मायने में बाबा की लोकप्रियता ही उनकी सफलता की गारंटी है। केंद्र सरकार का उन्हें संरक्षण मिला हुआ है। जिस तरह से अदानी समूह हर व्यापार में सक्रिय है। वही स्थिति बाबा रामदेव की है। भारत में बाबा रामदेव निश्चित है। भारत में कोई भी उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता है। अब देखना यह है, सुप्रीम कोर्ट ने अवमानना का जो नोटिस बाबा रामदेव और प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण को जारी किया है। उसके बाद बाबा किस तरीके से अपना बचाव करने के लिए आगे आते हैं। अब तो लोग यह भी कहने लगे हैं, अकेले रामदेव सब पर भारी पड़ रहे हैं। बाबा को नियंत्रित कर पाना किसी के वश की बात नहीं है। बाबा का भाग्य और सत्ता का संरक्षण जब तक उनके पास है। तब तक बाबा को कोई चुनौती नहीं है।

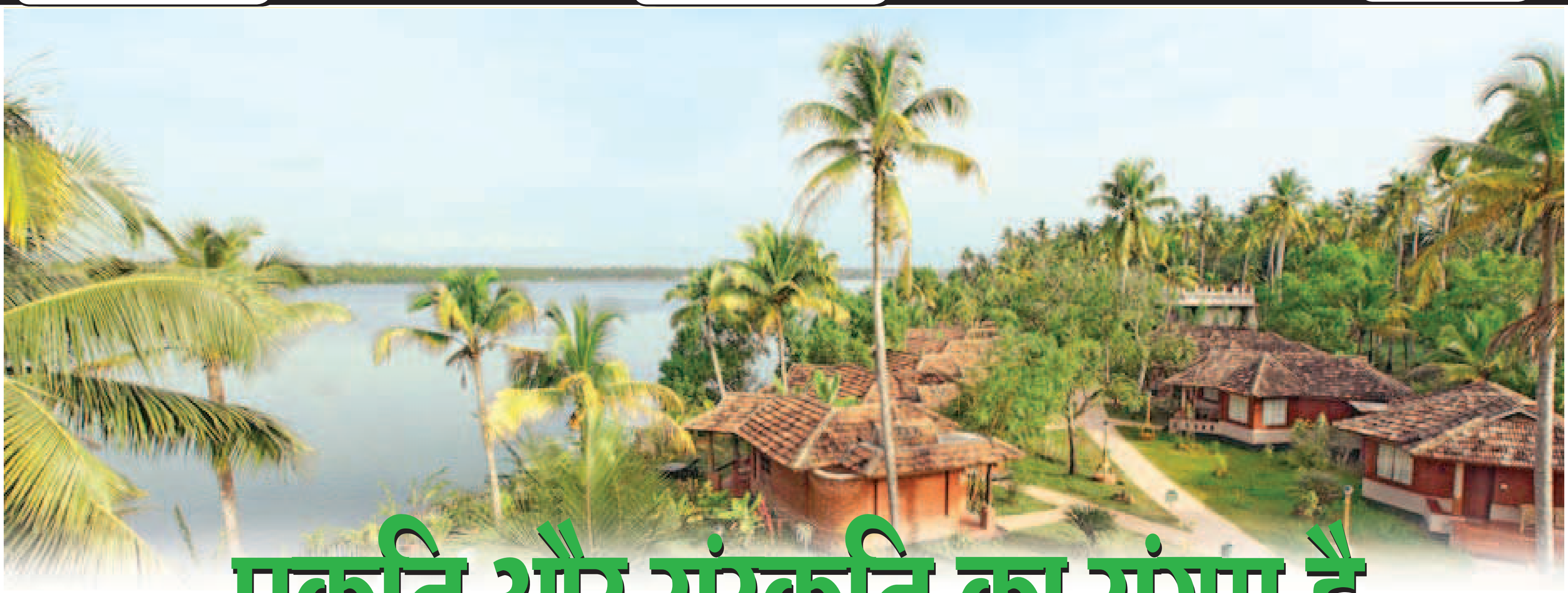

प्रकृति और संस्कृति का संगम है कोच्चि

केरल का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण शहर कोच्चि अपने आप में कई ऐतिहासिक धरोहर समेटे हुए है। ऐतिहासिक स्थल, किला, पुराने चर्च, समुद्री तट, झरने, स्नेक बोट रेस और संग्रहालय कोच्चि की सुंदरता में चार चांद लगा देते हैं। भारत के पश्चिमी तटीय क्षेत्रों में कोच्चि दूसरा सबसे महत्वपूर्ण शहर है। कोच्चि को अरब सागर की रानी भी कहा जाता है। इस शहर को हाल ही में स्मोक फ्री सिटी का दर्जा मिला है।

कोच्चि प्राकृतिक सुंदरता का संगम है। यहां प्रकृति संस्कृति और इतिहास से जुड़े कई रंग देखने को मिलते हैं। यहां अरब, ब्रितानी, चाइनीज, डच और पुर्तगालों की कई ऐतिहासिक झलक दिखती हैं। केरल का सबसे महत्वपूर्ण व्यवसयिक और औद्योगिक शहर है कोच्चि। समुद्र किनारे बसा यह खूबसूरत शहर भूमध्य रेखा के करीब है। समुद्र के साथ-साथ यहां मौजूद पहाड़ इस छोटे से शहर को और भी अद्भुत बनाते हैं। कोच्चि में पूरे केरल से सबसे ज्यादा पर्यटक आते हैं।

कोच्चि में देखने के लिए बहुत कुछ है। जैसे बोलगट्टी आइलैंड- इस आइलैंड को डच पैलेस कहा जाता है, जिसे अब केरल पर्यटक विकास निगम ने होटल में बदल दिया है। साथ ही यहां छोटा सा गोल्फ कोर्स भी है। इस पिकनिक स्पॉट से आप कोच्चि के बंदरगाह और हवाई अड्डे का बेहतरीन नजारा देख सकते हैं।

चेरई बीच पर यहां तैराकी के साथ-साथ दूसरी कई गतिविधियों का मजा ले सकते हैं।

हिल पैलेस- कोच्चि के राजा का बनवाया यह महल यहां का सबसे मशहूर पर्यटक स्थल है। इसे संग्रहालय में बदल दिया गया है। राजाओं के इस्तेमाल में आने वाली तमाम चीजें यहां देखने को मिलती हैं।

मंगलवन बर्ड सेंक्चुरी- केरल हाईकोर्ट के बगल में इस अभयारण्य में पक्षियों की कई दुर्लभ और विशेष प्रजातियां देखी जा सकती हैं। यह प्रवासी पक्षियों के लिए भी बेहतर जगह है।

मट्टनचेरी पैलेस को डच पैलेस भी कहा जाता है। यहां रामायण और महाभारत काल की कई पुरानी तस्वीरें उकेरी गई हैं।

सेंटर क्रूज बेसिलिका- 1505 में बना यह चर्च को 1795 में ब्रिटिश शासकों ने नष्ट कर दिया था। पुर्तगालों के इस चर्च को 1905 में बनवाया गया। 1984 में पोप जॉन पॉल-2 ने इसे बेसिलिका की उपाधि दी।

सेंट फ्रांसिस चर्च- यूरोपियन का बनवाया यह भारत का सबसे पुराना चर्च है। कहते हैं वास्को-डि-गामा का पार्थिव शरीर यहीं दफन किया गया।

वास्को हाउस- रोज स्ट्रीट स्थित इस स्थल पर पुर्तगाल वास्तुकला को देखा जा सकता है। इसे देश का सबसे पुराना पुर्तगाल हाउस कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि वास्को-डि-गामा यहां आकर रहे थे।

इसके अलावा कोच्चि में जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, कोच्चि फोर्ट, मरीन ड्राइव, परीक्षित थंपुर म्यूजियम, वीगा लैंड, देखा जा सकता है। साथ में सेंट फ्रासेंस चर्च, त्रिचूर मंदिर, चेरामन मस्जिद, जैन मंदिर, कलेडी, त्रिक्ककारा मंदिर भी दर्शनीय हैं। यहां समुद्री किनारा होने के कारण बोट राइड और बीच वॉक का मजा ले सकते हैं। फोर्ट कोच्चि के ऐतिहासिक शहर को यदि अच्छी तरह देखना हो तो पैदल चलना सबसे अच्छा विकल्प है। विश्राम के बाद सूती कपड़े, मुलायम जूते और और हां, स्ट्रॉ हैट पहन कर बाहर निकलें। इतिहास में पगे इस द्वीप के हर हिस्से में आपके लिए कुछ न कुछ आकर्षक जरूर मौजूद मिलेगा। यहां की दुनिया अपने आप में अनूठी है जिसमें बीते युग की छवि स्पष्ट नजर आती है और अपने अतीत पर इसे अब भी गर्व है। यदि आप इतिहास के गंध को पहचान सकते हैं तो कोई भी बाधा आपको इन सड़कों पर निकलने से नहीं रोक सकतीं।

के. जे. मार्शल स्ट्रीट से सीधे निकलकर और बायीं ओर मुड़ने पर आपको फोर्ट इमेनुएल की झलक मिलेगी। यह किला कभी पुर्तगालियों का हुआ करता था और यह कोचीन के महाराजा और पुर्तगाली के शासक (जिसके नाम पर इस किले का नाम पड़ा) के बीच गठबंधन का प्रतीक है। इस किले का निर्माण 1503 में करवाया गया था और 1538 में इसका सुदृढ़ीकरण हुआ। थोड़ा और आगे चलकर आप डच कब्रगाह पहुंच जाते हैं। 1724 में प्रतिष्ठापित और दक्षिण भारत के चर्च के देखरेख के तहत आने वाले इस कब्रिस्तान के कब्रों के पत्थर यहां आने वाले पर्यटकों को उन यूरोपीय लोगों की याद दिलाते हैं जिन्होंने अपने देशों के औपनिवेशिक प्रसार के लिए अपना घर-बार छोड़ा था।

अगला दर्शनीय स्थल है ठाकुर हाउस जो औपनिवेशिक युग के कंक्रीट निर्मित नमूने के रूप में खड़ा है। यह भवन सादगी पूर्ण ढंग से सुंदर है। पहले इसे कुनल या हिल बंगलो के नाम से जाना जाता था। ब्रिटिश शासन के दौरान यह यह नेशनल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधकों का आवास हुआ करता था। अब यह चाय के प्रसिद्ध व्यापारिक फर्म ठाकुर एंड कम्पनी की मिल्कियत है। आगे बढ़िए और आपको एक अन्य औपनिवेशिक संरचना देखने को मिलेगी- डेविड हॉल। इसका निर्माण 1695 के आस-पास डच ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा करवाया गया था। इस हॉल का मूल संबंध प्रसिद्ध डच कमांडर हेनरिक एड्रियन वान रीड ड्रैकेस्टन से था, जिनकी ख्याति केरल की प्राकृतिक वनस्पतियों पर लिखी गई उनकी किताब- होर्टस मलाबैरिकस को लेकर अधिक फैली। यद्यपि, डेविड हॉल का नाम इसके परवर्ती मालिक डेविड कोडर के नाम पर पड़ा।

चार एकड़ में फैले परेड ग्राउण्ड को पार करने के बाद, जहां कभी पुर्तगाली, डच और ब्रिटिश मिलिट्री परेड आयोजित किया करते थे, आप सेंट फ्रांसिस चर्च पहुंचेंगे। यह चर्च भारत में सबसे पुराना यूरोपियन चर्च है। 1503 में पुर्गालियों द्वारा बनाए जाने के बाद से यह कई चरणों से होकर गुजरा है। यह वही चर्च है जहां वास्को डि गामा को दफनाया गया था। इस कब्र के पत्थर को आज भी देखा जा सकता है।

चर्च रोड पैदल भ्रमण करने के लिए बहुत ही उपयुक्त है जहां टहलते हुए आप अरब सागर से आने ठंडी हवा को अपने शरीर पर महसूस कर सकते हैं। समुन्दर के थोड़ा और करीब जाएं। आप कोचीन क्लब पहुंचेंगे। यहां एक समृद्ध पुस्तकालय और खेल की ट्रॉफियों का भव्य संग्रह है। यह क्लब एक सुन्दर दृश्यों वाले पार्क में स्थित है। इस क्लब का माहौल आज भी ब्रिटिश युग की याद दिलाता है।

चर्च रोड पर वापस आकर बायीं ओर आपको एक अन्य शानदार दुर्ग- बैस्टियन बंगलो दिख पड़ेगा। इंडो-यूरोपियन स्टाइल की यह अद्भुत संरचना सन 1667 में बनकर तैयार हुई थी और इसका नाम पुराने डच किले के स्ट्रॉम्बर्ग बैस्टियन के स्थान के नाम पर पड़ा जहां यह अवस्थित है। अब यह उप समाहर्ता का आवास है।

पास में ही वास्को डि गामा स्क्वॉयर है। थोड़ी देर सुस्ताने के लिए उपयुक्त यह एक संकरा सागर तट (प्रोमिनेड) है। यहां आपको स्वादिष्ट खाद्य पदार्थों और नारियल पानी के स्टॉल मिलेंगे। थोड़ी देर इन सबका आनंद उठाइए और उठते-झुकते चाइनीज फिशिंग नेट की ओर नजर डालिए। ये नेट्स कुबलाय खान के दरबार के व्यापारियों द्वारा 1350 और 1450 के बीच लगवाए गए थे।

तरोताजा होकर अब आप पीयर्स लेस्ली बंगलो की ओर जा सकते हैं। यह बंगलो एक खूबसूरत किला है जो कभी एक जमाने में पीयर्स लेस्ली एंड कंपनी नामक कॉफी मर्चेंट का दफ्तर हुआ करता था। इस भवन पर पुर्तगाली, डच और स्थानीय प्रभाव दिखाई पड़ता है। जल के सम्मुख पड़ने वाला इसका बरामदा इसकी भव्यता में चार चांद लगा देता है। दायीं ओर मुड़कर आप पुराने हार्बर हाउस पर आ पहुंचते हैं जिसका निर्माण 1808 में हुआ था और यह प्रसिद्ध चाय व्यापारी कैरिएट मोरन एंड कम्पनी की मिल्कियत था। पास में ही शानदार कोडर हाउस है जो कोचीन इलेक्ट्रिक कम्पनी के मालिक सैमुअल एस. कोडर द्वारा 1808 में बनवाया गया था। इस भवन की स्थापत्य कला औपनिवेशिक से इंडो-यूरोपियन स्थापत्य की ओर संक्रमण को दर्शाता है।

पुनः दायीं ओर मुड़ें और आप प्रिंसेस स्ट्रीट जा पहुंचेंगे। यहां की दुकानों से आप ताजे फूल खरीद सकते हैं। इस इलाके की प्राचीनतम सड़कों में से एक इस सड़क के दोनों ओर यूरोपियन शैली के भवन बने हैं। यहीं लोफर्स कॉर्नर अवस्थित है। यह कोच्चि के मौजमस्ती एवं क्रीड़ा पसंद लोगों के लिए एक पारंपरिक स्थल रहा है।

लोफर्स कॉर्नर से उत्तर की ओर बढ़ने पर आप सांता क्रूज बैसिलिका पर आ पहुंचेंगे जो पुर्तगालियों द्वारा निर्मित एक ऐतिहासिक चर्च है। इसे 1558 में पोप पॉल द्वारा दरजा बढ़ाकर कैथेड्रल घोषित कर दिया गया। 1984 में पोप जॉन पॉल द्धद्ध ने इसे बैसिलिका का दरजा दे दिया। बर्गर स्ट्रीट और डेल्टा स्टडी पर एक नजर डालने के बाद आप फिर से प्रिंसेस स्ट्रीट और उसके बाद रोज स्ट्रीट पहुंचेंगे। डेल्टा स्टडी एक हेरिटेज बंगलो है जिसका निर्माण 1808 में हुआ था। यह अब एक हाई स्कूल के रूप में बदल गया है। रोज स्ट्रीट पर वास्को हाउस स्थित है। माना जाता है यह वास्को डि गामा का आवास था। यह पारंपरिक और विशुद्ध यूरोपियन भवन कोच्चि के सबसे पुराने पुर्तगाली भवनों में से एक है।

बायीं ओर मुड़ने पर आप रिड्सडेल रोड पर आ पहुंचते हैं जहां आपको गेट दिखाई पड़ता है जो परेड ग्राउंड के सम्मुख है। इस गेट का निर्माण 1740 में हुआ था और इसका यह नाम इस पर अंकित डच ईस्ट इंडिया कंपनी के मोनोग्राम के कारण पड़ा। इसके पास ही युनाइटेड क्लब है जो कभी कोच्चि के अंग्रेजों के चार एलीट क्लबों में से एक था। अब यह पास में स्थित सेंट फ्रांसिस प्राइमरी स्कूल की कक्षाएं चलती हैं।

अब यहां से सीधे चलिए तो आप सड़क के अंतिम सिरे पर पहुंच जाएंगे और वहां आपको बिशप हाउस मिलेगा जिसका निर्माण 1506 में हुआ था। कभी यह पुर्तगाली गवर्नर का आवास हुआ करता था। यह परेड ग्राउंड के पास एक छोटी सी पहाड़ी पर स्थित है। भवन का सम्मुख भाग विशाल गोथिक मेहराबों से युक्त है और यह भवन डायोसीज ऑफ कोचीन के 27वें बिशप डॉम जोस गोम्स फेरेरिया के अधीन था जिनका अधिकार क्षेत्र भारत के अतिरिक्त बर्मा, मलाया और सिलोन तक था।

यहां रेल, सड़क और हवाई यातायात के अलावा जल मार्ग से भी पहुंचा जा सकता है। कोच्चि में विश्वस्तरीय हवाई अड्डा है, जो पूरे विश्व के मुख्य शहरों से इसे जोड़ता है। यहां आप अक्टूबर से लेकर मार्च तक कभी भी जा सकते हैं।

महिंद्रा ने थार के अर्थ एडिशन को लांच किया

मुंबई । महिंद्रा ने थार अर्थ एडिशन को लांच किया है। इस 15.4 लाख से 17.6 लाख रुपये की कीमत पर पेश किया गया है। इस स्पेशल एडिशन की कीमत उस एलएक्स ट्रिम से 40,000 रुपये ज़्यादा है। महिंद्रा थार अर्थ एडिशन को मैट पेंट में पेश किया गया है, जिसे कंपनी डेजर्ट फ्यूरी कहती है, और बी-पिलर्स और रियर फेंडर पर विशेष अर्थ एडिशन बैज भी मिलते हैं। इंटीरियर में बेज और ब्लैक डुअल कलर टोन में लैदर अपहोलस्ट्री दी है। वहीं इसमें स्टीयरिंग व्हील, कपहोल्डर्स, गियर नॉब और गियर कंसोल पर महिंद्रा लोगो जैसे एलिमेंट्स पर डार्क क्रोम फिनिश दी है। महिंद्रा थार अर्थ एडिशन केवल 4×4 वेरिएंट पर उपलब्ध है। इसमें पेट्रोल और डीजल इंजन का ऑप्शन दिया है। इसमें 2.0-लीटर पेट्रोल यूनिट 152 एचपी 300एनएम जेनरेट करता है और इसे 6-स्पीड ऑटो या 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ जोड़ा जा सकता है। दूसरा 2.2-लीटर डीजल इंजन मिलता है, जो 132एचपी, 300एनएम जेनरेट करता है। थार अर्थ एडिशन के लांच को महिंद्रा द्वारा थार 4डब्ल्यूडी की बिक्री की संख्या बढ़ाने के कदम के रूप में देखा जा सकता है महिंद्रा ने हाल ही में यह भी पुष्टि की है कि 5-डोर थार इस साल लांच किया जाएगा.

वोल्वो बाजार में बेचेगी कुल ब्रिकी की एक तिहाई इलेक्ट्रिक कार

नई दिल्ली । वोल्वो कार इंडिया कुल` ब्रिकी की एक तिहाई कार बाजार में बेचने का लक्ष्य बना रही है। कंपनी ने अनुमान जताया है कि वर्ष 2024 में उसकी कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का योगदान एक-तिहाई होगा। 2023 में लक्जरी कार निर्माता ने 2,423 वाहनों की बिक्री की थी। 2023 में उसकी कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों का योगदान 28 प्रतिशत रहा। ईवी मॉडलों में एक्ससी40 और सी40 ने 510 और 180 वाहनों की बिक्री दर्ज की थी। वोल्वो ने वर्ष 2030 तक संपूर्ण रूप से इलेक्ट्रिक कार निर्माता बनने का लक्ष्य रखा है। भारत में इस समय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार के लक्जरी सेगमेंट के अं तर्गत वोल्वो 24 प्रतिशत भागीदारी के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं बीएमडब्ल्यू इस सेगमेंट में पहले स्थान पर है। वर्ष 2023 में वोल्वो कार इंडिया ने कुल 2,423 वाहन बेचे, जिनमें 690 ईवी थे। इससे सालाना आधार पर 31 प्रतिशत वृद्धि का पता चलता है। वोल्वो ने वर्ष 2025 तक भारतीय बाजार में दो अन्य इलेक्ट्रिक वाहन पेश करने की अपनी योजनाओं की भी पुष्टि की है। नए मॉडलों में ईएक्स30 और ईएक्स90 इलेक्ट्रिक एसयूवी शामिल हैं जिन्हें अगले साल पेश किया जाएगा। इस मामले में वोल्वो इंडिया की प्रबंध निदेशक ज्योति मल्होत्रा ने मंगलवार को मीडिया के साथ बातचीत में कंपनी की ईवी योजनाओं के विस्तार की पुष्टि की। उन्होंने कहा` कि वोल्वो के लिए 2030 तक विजन बेहद स्पष्ट है। वोल्वो इलेक्ट्रिक कार कंपनी बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रही है। यह विशेष रूप से बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों (बीईवी) पर केंद्रित है।' कंपनी इस समय 25 आउटलेटों के साथ परिचालन करती है और उसने अपनी सेवाओं का विस्तार करने पर जोर दिया है।

रिलायंस कैपिटल के लिए 9,650 करोड़ रुपये की समाधान योजना को मिली मंजूरी

नई दिल्ली ।

रिलायंस कैपिटल के लिए 9,650 करोड़ रुपये की समाधान योजना को मंजूरी मिल गई है। मिली जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने मंगलवार को हिंदुजा समूह की कंपनी इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स की रिलायंस कैपिटल के लिए 9,650 करोड़ रुपये की समाधान योजना को मंजूरी दे दी। एनसीएलटी की मुंबई पीठ ने कर्ज के बोझ से दबी कंपनी के लिए बोली के दूसरे दौर में जून 2023 में आईआईएचएल द्वारा प्रस्तुत योजना को मंजूरी दे दी। इस मामले में विस्तृत आदेश आने वाला है। भारतीय रिजर्व बैंक ने नवंबर 2021 में अनिल धीरूभाई अंबानी समूह की कंपनी द्वारा प्रशासनिक मुद्दों और भुगतान चूक पर रिलायंस कैपिटल के निदेशक मंडल को हटा दिया था। केंद्रीय बैंक ने नागेश्वर राव वाई को प्रशासक नियुक्त किया था, जिन्होंने कंपनी का अधिग्रहण करने के लिए फरवरी 2022 में बोलियां आमंत्रित की थीं। इस दौरान रिलायंस कैपिटल पर 40,000 करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज था और चार आवेदकों ने शुरू में समाधान योजनाओं के साथ बोली लगाई थी। हालांकि, लेनदारों की समिति ने कम बोली मूल्यों के लिए सभी चार योजनाओं को खारिज कर दिया और एक चुनौती तंत्र शुरू किया गया जिसमें आईआईएचएल और टोरेंट इन्वेस्टमेंट्स ने भाग लिया था। हिंदुजा समूह की कंपनी को पिछले साल जून में समिति द्वारा 9,661 करोड़ रुपये की अग्रिम नकद बोली के लिए चुना गया था। बता दें कि रिलायंस कैपिटल का अतिरिक्त 500 करोड़ रुपये का नकद शेष भी अब ऋणदाताओं के पास ही जाएगा।

पैट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेज की कीमतों के गिरावट के साथ ही घरेलू बाजार में भी पैट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव आया है। सुबह ब्रेंट क्रूड 83.33 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। वहीं घरेलू बाजार में भी तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव किया है। इससे असम, छत्तीसगढ़, बिहार और झारखंड सहित कुछ राज्यों में पेट्रोल और डीजल महंगा हुआ है जबकि कर्नाटक, मध्य प्रदेश, उड़ीसा , पंजाब और आंध्रा प्रदेश में ईंधन की कीमतें बढ़ी हैं। वहीं नोएडा में पेट्रोल 96.64 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। इसके अलावा गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.47 रुपये और डीजल 89.66 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है जबकि बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपये और डीजल 94.33 रुपये प्रति लीटर प्रति लीटर है।

रिलायंस जिओ की मदद से चिपमेकर ला रही सबसे सस्ता 5जी स्मार्टफोन

नई दिल्ली ।

अमेरिकी चिपमेकर कंपनी सबसे सस्ता स्मार्टफोन लेकर आ रही है। यह रिलायंस जिओ की मदद से लांच करने जा रही है। जानकारी के अनुसान चिपमेकर क्वालकॉम भारतीय स्मार्टफोन बाजार में एक खास प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। क्वालकॉम एक नया चिपसेट बनाने में जुटी है जो इस कैलेंडर वर्ष के अंत तक बाजार में दस्तक दे सकता है। इस चिप की मदद से कंपनी एक ऐसा 'किफायती' स्मार्टफोन बाजार में पेश सकती है जो 5पी पर चलेगा। किफायती इसलिए क्योंकि इस स्मार्टफोन की कीमत 99 डॉलर (करीब 8,000 रुपये) से भी कम हो सकती है। कंपनी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि लेटेस्ट चिपसेट भारत में 2जी यूजर्स को 5जी में शिफ्ट होने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है। इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया कि क्वालकॉम स्मार्टफोन को डेवलप और लॉन्च करने के लिए भारत के टॉप टेलीकॉम ऑपरेटर, रिलायंस जियो और मूल उपकरण निर्माताओं के साथ भी काम कर रहा है। इस पर क्वालकॉम के अधिकारियों ने कहा कि गीगाबिट 5जी स्मार्टफोन डिवाइस 5जी स्टैंडअलोन आर्किटेक्चर का सपोर्ट करेगा, जो जिओ वर्तमान में पेश कर रहा है। क्वालकॉम के एसवीपी और हैंडसेट के जनरल मैनेजर क्रिस पैट्रिक ने बार्सिलोना में मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस 2024 के मौके पर बताया कि गीगाबिट 5जी स्मार्टफोन एसएस-2आरएक्स क्षमता का उपयोग करके एक समर्पित कम लागत वाले प्रोसेसर द्वारा ऑपरेट होगा, जो 5जी नेटवर्क पर गीगाबिट स्पीड देने में सक्षम है। बता दें कि एमडब्ल्यूसी 2024 का आयोजन 26 से 29 फरवरी तक बार्सिलोना में किया जा रहा है। बता दें कि अगस्त 2022 में, रिलायंस इंडस्ट्रीज की वार्षिक आम बैठक के दौरान, मुकेश अंबानी ने पूरी दुनिया के लिए 5जी प्रोडक्ट लाने जियो और क्वालकॉम के बीच साझेदारी की घोषणा की थी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 790 , निफ्टी भी 247 अंक टूटा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट भारी मुनाफावसूली से आई है। इसके अलावा दुनिया भर के बाजारों से प्राप्त मिलेजुले संकेतों से भी बाजार पर दबाव पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 790.34 अंक नीचे आकर 72,304.88 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 247.20 अंक नीचे आकर 21,951.15 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज , आईसीआईसीआई बैंक, पावर ग्रिड, मारुति सुजुकी, महिंद्रा ऐंड महिंद्रा ,एचडीएसफसी बैंक और एलएंडटी के शेयरों में मुनाफावसूली से बाजार नीचे आया। इसके अलावा सरकारी बैंकों , वाहन क्षेत्र सेक्टर और तेल व प्राकृतिक गैस कंपनियों के शेयरों में करीब 2 फीसदी से लेकर 3.5 फीसदी तक की गिरावट आई। इससे बाजार पर नकारात्मक प्रभाव हुआ। इसके साथ ही

बीएसई मिडकैप इंडेक्स में भी 1.8 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.9 फीसदी की गिरावट से भी बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। आज कारोबार के दौरान हिंदुस्तान यूनिलिवर, इंफोसिस, टाटा कंसल्टैंसी और टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल के शेयरों में तेजी आई। वहीं पावर ग्रिड , इंडसइंड बैंक, मारुति, विप्रो, टाटा स्टील, जेएसडब्यू स्टील, एशियन पेंट, महिन्द्रा एंड महिन्द्रा व रिलायंस और अल्ट्राटेक के शेयरों में गिरावट रही। एशियाई बाजारों में सियोल का बाजार ऊपर आया। वहीं टोक्यो , शंघाई और होंगकांग के बाजार में गिरावट रही। यूरोपीय बाजारों में भी अधिकतर गिरावट देखी गयी। वहीं गत दिवस अमेरिकी बाजार बढ़त पर बंद हुए थे। वहीं गत दिवस विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 1,509.16 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची थी।

इससे पहले आज सुबह बाजार हल्की तेजी के साथ खुला। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिश्रित संकेतों के बीच ही तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 26.42 अंक करीब 0.04 फीसदी बढ़कर

73,121.64 जबकि पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 8.00 अंक तकरीबन 0.04 फीसदी बढ़कर 22,206.30 पर दिख रहा है। कारोबार के दौरान करीब 1519 शेयर उछले हैं जबकि 770 शेयर टूटे हैं। इसके अलावा 125 शेयरों में कोई बदलाव नहीं आया है। कारोबार के दौरान भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स, टाटा कंज्यूमर, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, हीरो मोटोकॉर्प के शेयर बढ़े जबकि विप्रो, अपोलो हॉस्पिटल्स, पावर ग्रिड कॉर्प, अल्ट्राटेक सीमेंट और बीपीसीएल के शेयर नीचे आये। वहीं गिफ्ट निफ्टी हल्की बढ़त के साथ ही 22200 के ऊपर कारोबार कर रहा था

अडानी समूह ने विदेशी रोड शो की सीरीज शुरू की, निवेशकों का विश्वास बढ़ाने

नई दिल्ली ।

अडानी समूह ने अपने नए बॉन्ड की बिक्री से पहले अपने कारोबार में निवेशकों का विश्वास बढ़ाने के लिए और बॉन्डधारकों के लिए विदेशी रोड शो की सीरीज शुरू की है। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने कहा कि वह 18 साल की डोर-टू-डोर अवधि के साथ बांड के माध्यम से 409 मिलियन डॉलर जुटाने की योजना बना रही है। रोड शो के द्वारा समूह निवेशकों को अपने विवेकपूर्ण वित्तीय योजना, परिचालन दक्षता और अपने लोन की देनदारी को पूरा करने की क्षमता के बारे में आश्वस्त करने का प्रयासों कर रहा है। अदाणी समूह रिन्युएबल एनर्जी, पोर्ट, एयरपोर्ट और इंफ्रास्ट्रक्चर सहित कई क्षेत्रों में अपनी विस्तार योजनाओं की रूपरेखा तैयार करने में लगा है। कारोबार से जुड़े लोगों के हवाले से लिखा कि भारत की बढ़ती बुनियादी ढांचे की आवश्यकताओं और नवीकरणीय ऊर्जा और बंदरगाह के नेतृत्व वाले विकास को अपनाने जैसी पहलों पर सरकार के जोर के साथ, समूह का लक्ष्य उभरते अवसरों को भुनाना और वैश्विक बाजार में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करना है। बता दें, समूह के पास 2024 में देय 1.9 बिलियन डॉलर के विदेशी मुद्रा बांड हैं। इसने अपनी बकाया परिपक्वताओं के एक बड़े हिस्से का निपटान कर दिया है। समूह ने विनियामक फाइलिंग के माध्यम से निवेशकों को बताया है कि वह 2019 में बेचे गए और अगले साल सितंबर में मैच्योर होने वाले अदाणी ग्रीन की होल्डिंग कंपनी के 750 मिलियन डॉलर का भुगतान करने के लिए नकदी बनाने पर काम कर रहा है। समूह ने जुलाई तक अदाणा पोर्ट्स और स्पेशल इकोनॉमिक जोन के 650 मिलियन डॉलर के बांड किश्त का नकद भुगतान करने का भी वादा किया है, जिसमें से वह इस साल 325 मिलियन डॉलर का भुगतान पहले ही कर चुका है। अदाणी के शीर्ष बांडधारकों में ब्लैकरॉक, पीआईएमसीओ, फिडेलिटी और मेटलाइफ शामिल हैं। वहीं अडानी समूह ने कहा है कि वह अपने बंदरगाहों, बिजली और सीमेंट परिचालन को बिजली की आपूर्ति करने के लिए अगले दशक में हरित ऊर्जा में 100 अरब डॉलर का निवेश करेगा, क्योंकि इसका लक्ष्य 2050 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जक बनना है। 30 सितंबर तक ग्रुप के पास कुल संपत्ति 4.48 लाख करोड़ रुपये थी।

26 गोल्ड बॉन्ड में मैच्योरिटी से पहले मिलेगा कमाई का मौका

नई दिल्ली ।

अगले वित्त वर्ष में 26 गोल्ड बॉन्ड में मैच्योरिटी से पहले कमाई का मौक मिल सकता है। जानकारी के अनुसार 2024-25 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) के लिए आरबीआई ने सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के प्रीमैच्योर रिडेम्प्शन को लेकर कैलेंडर जारी कर दिया है। देश के केंद्रीय बैंक के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही के दौरान निवेशकों को सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की कुल 26 अलग अलग सीरीज में प्रीमैच्योर रिडेम्प्शन का मौका मिलेगा। बता दें कि आरबीआई की तरफ से 27 फरवरी को जारी जारी इस कैलेंडर में अलग अलग सीरीज के लिए उस निर्धारित समय सीमा का भी जिक्र है जिस दौरान बॉन्ड धारक प्रीमैच्योर रिडेम्प्शन के लिए अप्लाई कर सकते हैं। अगले वित्त वर्ष की शुरुआत में सबसे पहले वित्त वर्ष 2016-17 के लिए जारी सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की तीसरी सीरीज यानी छठे गोल्ड बॉन्ड में 17 मई 2024 को प्रीमैच्योर रिडेम्प्शन का मौका मिलेगा। जिसके लिए बॉन्ड धारक 16 अप्रैल और 7 मई के बीच अप्लाई कर सकते हैं। यह बॉन्ड 17 नवंबर 2016 को 3007 रुपये प्रति यूनिट के इश्यू प्राइस पर जारी किया गया था। आईबीजेए के मुताबिक इस समय गोल्ड 24 कैरेट (999) का मौजूदा भाव 62,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर चल रहा है।

कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट लेकर फोर्ड कंपनी फिर करेगी भारतीय कार बाजार में प्रवेश

नई दिल्ली ।

कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट लेकर फोर्ड कंपनी एक बार फिर भारतीय कार बाजार में प्रवेश करने जा रही है। जानकारी के अनुसार हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों पर फोकस के साथ ऑटो सेक्टर की दिग्गज कंपनी फोर्ड मोटर अपनी कारों के प्रोडक्शन के लिए चेन्नई में अपने मेन्युफेक्चरिंग प्लांट का इस्तेमाल करने की योजना बना रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, ईवी की बिक्री तेजी से धीमी होने के कारण फोर्ड अपनी इलेक्ट्रिक वाहन स्ट्रेटिजी का फिर से आंकलन कर यही है। क्योंकि भारत में ज्यादातर ग्राहक इलेक्ट्रिक वाहनों की ऊंची कीमतों और चार्जिंग के खराब इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते ईवी खरीदने को लेकर संकोच करते हैं। ऑटो कंपनी ने अपनी बैटरी से चलने वाली कार मस्टैंग मच-ई के प्रोडक्शन और कीमतों में भी काफी कटौती की है और कंपनी पेट्रोल-इलेक्ट्रिक हाइब्रिड मॉडल के प्रोडक्शन को बढ़ावा देने पर भी जरूरी ध्यान दे रही हैं।

हालों कि पिछले महीने ही एक रिपोर्ट में अनुमान लगाया कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री के 35 प्रतिशत की कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट से बढ़ने की उम्मीद है। साल 2032 तक सेल्स की सालाना संख्या 2.72 करोड़ यूनिट तक पहुंचने की संभावना है। इसके अलावा फोर्ड की एक गाड़ी की पेटेंट इमेज इंटरनेट पर वायरल हो गई है। इसे देखने में यह लगता है कि यह नया मॉडल हुंडई की क्रेटा, किआ सेल्टोस, मारुति की ग्रैंड विटारा, टोयोटा हायराइडर, होंडा एलिवेट समेत कॉम्पैक्ट मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में अन्य गाड़ियों को टक्कर देगा। ऐसा माना जा रहा है कि कंपनी भारत में एंडेवर के सीबीयू या सीकेडी मॉडल को इम्पोर्ट करके ला सकती है।

पिज्जा में नकली चीज की जांच की खबर आते ही मैकडॉनल्ड के शेयर नीचे आए

नई दिल्ली ।

भारत में नकली चीज की जांच की खबर आते ही मैकडॉनल्ड की भारतीय फ्रेंचाइजी के शेयर नीचे आ गए हैं। मुख्य रूप से बर्गर बेचने के लिए काफी फेमस ग्लोबल फास्ट फूड आउटलेट मैकडॉनल्ड पर अब महाराष्ट्र सरकार भी जांच शुरू कर सकती है। एक अधिकारी ने जानकारी दी कि महाराष्ट्र सरकार इस बात की जांच करेगी कि क्या वे आउटलेट्स प्रोडक्ट्स में चीज की जगह अन्य विकल्पों का यूज करते थे क्योंकि जांच में ऐसा पाया गया है कि मैकडॉनल्ड के आउटलेट कस्टमर्स को असली चीज बताकर ठगी कर रहे थे। महाराष्ट्र सरकार की तरफ से शुरू हुई कार्रवाई का असर अब अन्य फास्ट फूड ग्लोबल ब्रांड्स पर देखने को मिल सकता है। इसमें मुख्य रूप से जिन फूड प्रोडक्ट्स पर जांच बढ़ने की संभावना है, उसमें पिज्जा और बर्गर बड़े तौर पर शामिल हो सकते हैं।

भारत की जनता को अपने प्रोडक्ट्स से जोड़ने के लिए कभी-कभी कंपनियां अपनी क्वालिटी के साथ खिलवाड़ कर देती हैं। क्योंकि सभी भारतीयों की ऐसी इनकम नहीं होती है कि वे ऐसे महंगे आउटलेट्स में जाकर खा सकें तो ऐसे में कंपनियां फायदा कमाने के लिए और ज्यादा से ज्यादा कस्टमर्स को जोड़ने के लिए डिस्काउंट तो देती हैं मगर क्वालिटी में गिरावट ला देती हैं। अगर भारत की फूड रेगुलेटर्स खाने के क्वालिटी को लेकर सख्ती बरतती हैं तो इनका असर कंपनी की बिक्री पर देखने को पड़ सकता है। बता दें कि मैकडॉनल्ड एक ग्लोबल फास्ट फूड चेन हैं जिसका भारत में कारोबार वेस्टलाइफ फूडवर्ल्ड करती है, ये भारतीय फ्रैंचाइजी है। पिछले शुक्रवार को कंपनी ने अपने प्रोडक्ट्स में सिर्फ शुद्ध 'चीज़' का ही इस्तेमाल होने का दावा किया था और कहा था कि वह इस बारे में 'सक्षम अधिकारियों' के साथ सहयोग कर रही है।

एक मीडिया रिपोर्ट में बताया कि मैकडॉनल्ड्स फ्रेंचाइजी जांच एजेंसी की कार्रवाई से भले ही सहमत नहीं दिख रही हो, लेकिन दिसंबर में उसने राज्य में बेचे जाने वाले कई बर्गर और नगेट्स के नाम से 'चीज' शब्द हटा दिया। गौरतलब है कि महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने 23 फरवरी को मैकडॉनल्ड की अहमदनगर में स्थिति एक आउटलेट पर कार्रवाई करते हुए आरोप लगाया कि वह अपने कुछ प्रोडक्ट्स में असली चीज के बजाय वनस्पति तेल की मिलावट से बने चीज एनालॉग का यूज किया गया था। नियमों का उल्लंघन करने के मामले में आउटलेट पर तुरंत कार्रवाई की और इसका लाइसेंस निलंबित कर दिया।

अडानी ग्रुप डिफेंस सेक्टर में करेगा 3 हजार करोड़ से ज्यादा का निवेश

नई दिल्ली ।

अब डिफेंस सेक्टर में भी अडानी ग्रुप अपनी पकड़ मजबूत करने जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार अदाणी समूह की अदाणी डिफेंस एंड एरोस्पेस उत्तर प्रदेश के कानपुर में बड़ा निवेश करने की तैयारी में है। इस मामले में कंपनी के सीईओ आशीष राजवंशी ने बताया कि डिफेंस एंड एयरोस्पेस साल 2027 तक कानपुर में अपने नए गोला-बारूद और मिसाइल परिसरों में 3,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश करेगा। गौरतलब है कि 26 फरवरी को ही कानपुर के इस मिसाइल कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया गया था। यहां पर दक्षिण एशिया में सबसे बड़ी गोला-बारूद निर्माण की सुविधा होगी। इस कॉम्पलेक्स की शुरुआत 1,500 करोड़ रुपये के शुरुआती इंवेस्टमेंट से हुई है। उम्मीद की जा रही है कि इससे करीब लगभग 4,000 लोगों को नौकरियों का मौका भी मिलेगा। इसके साथ ही अप्रत्यक्ष रूप से इससे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम और स्थानीय कंपनियों में भी 20,000 नौकरियों के अवसर बनेंगे। इस मामले में अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी करण अदाणी ने बताया कि मात्र 15 महीने में 5 हजार एकड़ में बनकर तैयार हो रहा है। अदाणी समूह का ये उत्पादन कॉम्प्लेक्स दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा एम्युनेशन मैन्युफैक्चरिंग कॉम्प्लेक्स बनने जा रहा है। इसकी क्षमता प्रतिवर्ष 150 मिलियन राउंड एम्युनेशन उत्पादन की है। यहां रायफल, लाइट मशीन गन (एलएमजी), एके-47 और कार्बाइन की गोलियां बनेंगी। अगले चरण में आर्टिलरी गन, गोला-बारूद, तोपें और हैंड ग्रेनेड समेत सेना के जवानों के लिए अलग-अलग तरह के अस्त्र-शस्त्र व सुविधाओं संबंधित उत्पाद निर्मित किए जाएंगे। 15 सौ करोड़ से शुरू हुआ ये प्रोजेक्ट अगले पांच साल में 3 हजार करोड़ तक पहुंच जाएगा।

वोडाफोन आइडिया इक्विटी के जरिये जुटाएगी 45,000 करोड़ रुपये

-बोर्ड की मंजूरी मिलते ही शेयरों पर हुआ असर, 6 फीसदी की हुई बढ़त

नई दिल्ली ।

दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया इक्विटी के जरिये 45,000 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी कर रही है। इससे 4जी सेवा का दायरा बढ़ाने के साथ 5जी नेटवर्क तैयार करने में` मदद मिलेगी। वहीं बोर्ड की इस मंजूरी से शेयर बाजार में कंपनी के शेयर 6 फीसदी बढ़ गए हैं। ताजा जानकारी के अनुसार कंपनी के निदेशक मंडल ने कर्ज और इक्विटी के जरिये 45,000 करोड़ रुपये तक जुटाने के प्रस्ताव को आज मंजूरी दे दी। कंपनी इस पैसे का इस्तेमाल अपनी 4जी सेवा का दायरा बढ़ाने, 5जी नेटवर्क तैयार करने तथा क्षमता विस्तार पर करेगी। कंपनी ने जारी एक बयान में कहा कि अगली तिमाही तक नया निवेश लाकर इक्विटी और, या इक्विटी से जुड़े दूसरे साधनों के जरिये 20,000 करोड़ रुपये तक जुटाने की उसकी योजना है। जानकारों की मानें तो बाहरी निवेशक से पूंजी जुटाने पर बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है मगर इसके बारे में ज्यादा खुलासा नहीं किया है। बोर्ड ने पूंजी जुटाने की योजना को अमली जामा पहनाने के लिए कंपनी को बैंकर, वकील और सलाहकार नियुक्त करने की जिम्मेदारी दे दी है। कंपनी ने कहा कि इक्विटी पूंजी बॉन्ड, परिवर्तनीय डिबेंचर, वारंट, ग्लोबल डिपॉजिटरी रिसीट, अमेरिकन डिपॉजिटरी रिसीट या विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बॉन्ड के सार्वजनिक निर्गम, निजी नियोजन, तरजीही निर्गम अथवा पात्र संस्थागत नियोजन जैसे किसी भी माध्यम से जुटाई जा सकती है। 2 अप्रैल को शेयरधारकों की बैठक बुलाई जाएगी और इक्विटी पूंजी जुटाने के प्रस्ताव पर उनसे मंजूरी ली जाएगी। इक्विटी जुटाने के प्रस्तावित अभियान में प्रवर्तक भी भागीदारी करेंगे। वोडाफोन आइडिया में आदित्य बिड़ला समूह की 18.1 फीसदी, केंद्र सरकार की 33 फीसदी और ब्रिटेन के वोडाफोन ग्रुप की 32.3 फीसदी हिस्सेदारी है। अतीत में वोडाफोन समूह ने भारतीय इकाई में और पूंजी लगाने से इनकार कर दिया था।

अंतिम टेस्ट में पाटीदार की जगह पडिक्कल को मिल सकता है मौका

मुम्बई । भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में पहले ही 3-1 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। ऐसे में अब धर्मशाला में होने वाला अंतिम मैच औपचारिकता भर है क्योंकि उसके परिणाम से सीरीज पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसको देखते हुए 7 मार्च को होने वाले अंतिम मैच से युवा बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल को डेब्यू का अवसर मिल सकता है। पडिक्कल इस समय शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने पिछले चार मैचों में 3 शतक और एक अर्धशतक लगाये हैं। इसी कारण उन्हें टीम इंडिया में जगह भी मिली है पर अब तक अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिल पायी है। भारतीय टीम ने पहले ही सीरीज पर कब्जा कर लिया है। इसलिए वह इस मैच में कुछ बदलाव कर सकती है। इन हालातों में रजत पाटीदार का बाहर होना तय है क्योंकि अपने अवसरों का इस्तेमाल नहीं कर पाये। पाटीदार के नाम 3 टेस्ट मैच की 6 पारियों में केवल 63 रन ही हैं। इसको देखते हुए कप्तान रोहित शर्मा धर्मशाला टेस्ट में रजत की जगह पडिक्कल को अवसर दे सकते हैं। पडिक्कल बाएं हाथ के बैटर हैं। उन्होंने दो टी20 इंटरनेशनल मैच खेल हैं। वह आक्रामक बल्लेबाजी भी करते हैं। उनकी टाइमिंग भी शानदार होती है। उन्होंने अबतक 31 फर्स्ट क्लास मैच में 44 से ज्यादा की औसत से 2227 रन बनाये हैं।

अनुराग ठाकुर ने राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों में खेल विज्ञान के महत्व पर जोर दिया

नई दिल्ली,

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को यहां भारत खेल विज्ञान सम्मेलन को संबोधित करते हुए देश के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों में खेल विज्ञान के महत्व पर जोर दिया। एक दिवसीय सम्मेलन में भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा, 2003 विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता अंजू बॉबी जॉर्ज और भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर सहित कई वर्तमान और पूर्व एथलीटों ने भी भाग लिया। विज़न ओलंपिक 2036 के उद्देश्यों और लक्ष्य सेटिंग्स के आधार पर भारत को एक खेल महाशक्ति बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, भारत स्पोर्ट्स साइंस कॉन्क्लेव में अनुराग ठाकुर और विशिष्ट एथलीटों ने खेल विज्ञान को ज्ञान और समझ का एक अनूठा निकाय बताया जो एथलीटों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। खेल मंत्री ने कहा,ट्रांसस्टेडिया और भारत सरकार द्वारा आयोजित उद्घाटन भारत खेल विज्ञान सम्मेलन 2024 में शामिल होना खुशी की बात है। ट्रांसस्टेडिया जैसे संगठन को पहल करते हुए और इस तरह के एक महत्वपूर्ण सम्मेलन का आयोजन करते हुए देखना खुशी की बात है। खेल विज्ञान विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। खिलाड़ियों का यह ज्ञान और समझ का एक अनूठा भंडार है। हमारे बच्चों के लिए, खेल विज्ञान उन्हें उनकी शारीरिक सीमाओं को समझने में मदद करता है, जो उन्हें अपनी शक्ति और क्षमता को समझने में विशिष्ट रूप से सक्षम बनाता है, जिससे उन्हें अपने क्षेत्र में उत्कृष्टता की ओर बढ़ने का साहस मिलता है। उन्होंने आगे कहा, खेल विज्ञान के तत्वों का उपयोग एथलीटों को उनके प्रशिक्षण में समर्थन देने के लिए किया जाता है ताकि उन्हें अपनी ताकत को समझने, सुधार करने और अपने लक्ष्यों के प्रति अपनी ताकत को चुनौती देने में मदद मिल सके। हम देखते हैं कि खेल विज्ञान वास्तव में एथलीटों के जीवन में एक

महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इससे हम सीखते हैं कि शक्ति, संघर्ष और समर्थन के संयोजन से, हर कोई अपने सपनों को प्राप्त कर सकता है, चाहे वह किसी भी प्रकार की चुनौती का सामना कर रहा हो। खेल विज्ञान ने खेल विधाओं में सबसे प्रमुख एथलीटों की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसलिए, हम देश में अपने राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों में एक खेल विज्ञान विभाग की उपस्थिति भी सुनिश्चित कर रहे हैं। अभिनव बिंद्रा ने भी एथलीटों के जीवन में खेल विज्ञान की आवश्यकता पर विचार किया और प्रशिक्षकों से इसे अपने कार्यक्रमों में भी अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, भारत खेल विज्ञान सम्मेलन में जमावड़ा खेल विज्ञान के क्षेत्र में हमारे देश के दूरदर्शी दृष्टिकोण की अग्रणी भावना का प्रमाण है।

डबल्यूपीएल : मंधाना की आक्रामक बल्लेबाजी से आरसीबी ने गुजरात जायंट्स को हराया

नई दिल्ली ।

कप्तान स्मृति मंधाना की शानदार बल्लेबाजी से रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की टीम ने महिला प्रीमियर लीग (डबल्यूपीएल) टूर्नामेंट में गुजरात जायंट्स को हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की है। इस जीत के साथ ही आरसीबी अंक तालिका में 4 अंक लेकर नंबर एक पर पहुंच गयी है। गुजरात जायंट्स से मिले 108 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी की टीम ने मुकाबला 12.3 ओवर में ही जीत लिया। आरसीबी की ओर से मंधाना ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए केवल 27 गेंदों पर ही 8 चौके और एक छक्का लगाकर 43 रन बना दिये।

इस दौरान मंधाना के साथ सबनेनी मेघना की अच्छी साझेदारी रही। सलामी बल्लेबाज सोफी डिवाइन के 6 रनों पर ही आउट होने के बाद मेघना ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 28 गेंदों पर ही 36 रन बना दिये। मंधाना और मेघना के बीच दूसरे विकेट के लिए 40 रन की साझेदारी हुई। 72 रन पर दूसरा विकेट गिरने के बाद मंधाना और पेरी 23 ने अच्छी बल्लेबाजी कर अपनी टीम को जीत दिलायी। इस मैच में मंधाना ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। उसका ये फैसला सही हुआ और गुजरात जाएंट्स विमेन के शुरुआती बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। गुजरात जायंट्स की कप्तान बेथ मूनी 8 और पी. लिचफील्ड 5 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इसके बाद विकेट गिरने का सिलसिला जारी रहा।

मरे ने हार्ड कोर्ट पर 500वीं जीत दर्ज की

अब मेरे पास खेलने के लिए अधिक समय नहीं बचा

दुबई । ब्रिटेन के टेनिस स्टार एंडी मरे ने दुबई टेनिस चैंपियनशिप के पहले दौर में डेनिस शापोवालोव को हराकर हार्ड कोर्ट पर अपनी 500वीं जीत दर्ज की। मरे ने तीन सेट तक चले मुकाबले में शापोवालोव को 4-6, 7-6 (5), 6-3 से हराया। मरे अब अगले दौर में उगो हम्बर्ट और गेल मोनफिल्स के बीच होने वाले मैच के विजेता से खेलेंगे। पहले दौर में मिली जीत से उत्साहित मरे ने कहा, 'मुझे अब भी प्रतिस्पर्धा अच्छी लगती है पर उम्र बढ़ने के साथ युवा खिलाड़ियों से प्रतिस्पर्धा करना और शरीर को फिट तथा कठिन होता जा रहा है। इसलिए अब मेरे पास खेलने के लिए अधिक समय नहीं बचा है पर इन अंतिम महीनों में मैं जितना संभव हो उतना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करूंगा। मरे ने इससे पहले भी संन्यास के संकेत दिये थे पर बाद में उसे टाल दिया था। ओपन युग में मरे के अलावा केवल चार खिलाड़ियों रोजर फेडरर 783, नोवाक जोकोविच 700, आंद्रे अगासी 592 और रफेल नडाल 518 ने ही हार्ड कोर्ट पर 500 से अधिक मुकाबले जीते हैं।

सचिन ने दुनिया को 'जम्मू-कश्मीर का अनुभव लेने' के लिए आमंत्रित किया

नई दिल्ली,

क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर, जो अपनी पत्नी अंजलि और बेटी सारा के साथ कश्मीर गए थे, ने अपनी छुट्टियों का एक मंत्रमुग्ध कर देने वाला वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने दुनिया को भारत के कई रत्नों में से एक की सुंदरता को आने, देखने और अनुभव करने के लिए आमंत्रित किया। इंस्टाग्राम पर तेंदुलकर ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें उनकी पूरी यात्रा का सारांश है, और वीडियो की शुरुआत में लिखा, मेरी कश्मीर यात्रा के शीर्ष क्षण, और एक वाकये के साथ समाप्त हुआ, कश्मीर इतना सुंदर था कि मैं मंत्रमुग्ध रह गया। वीडियो में उनकी यात्रा के हर पल को कैद किया गया है; मंदिर के दौरे से लेकर, कश्मीर विलो बैट निर्माताओं के साथ बातचीत, स्थानीय चाय की दुकानों पर रुकने से लेकर बर्फबारी का आनंद लेने, बिना हाथ वाले पहलवान अमीर हुसैन लोन से मुलाकात और भी बहुत कुछ। जम्मू और कश्मीर मेरी स्मृति में एक सुंदर अनुभव बना रहेगा। चारों ओर बर्फ थी लेकिन लोगों के असाधारण आतिथ्य के कारण हमें गर्मी का एहसास हुआ। उन्होंने कैप्शन में लिखा, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा कि हमारे देश में देखने के लिए बहुत कुछ है। खासकर इस यात्रा के बाद इससे अधिक सहमत नहीं हो सकता। तेंदुलकर ने विशेष रूप से कश्मीर विलो से तैयार किए गए बल्लों की सराहना की और इसे मेक इन इंडिया का एक बेहतरीन उदाहरण बताया। उन्होंने अनंतनाग जिले के अवंतीपोरा के चेरसू इलाके में एमजे क्रिकेट बैट निर्माण फैक्ट्री का दौरा किया था। फैक्ट्री के मालिक दो भाई मंजूर अहमद और जावेद अहमद हैं, जो चेरसू इलाके से हैं। कश्मीर विलो बैट मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड के महान उदाहरण हैं। उन्होंने दुनिया भर में यात्रा की है, और अब मैं दुनिया भर के लोगों और भारत को सलाह देता हूं कि वे आएं और जम्मू-कश्मीर का अनुभव लें, जो

देश के कई रत्नों में से एक है। क्रिकेट के इस महान खिलाड़ी ने गुलमर्ग स्की रिसॉर्ट में भी तीन दिन बिताए थे, जहां प्रकृति ने ताजा बर्फ से उनका और उनके परिवार का स्वागत किया था। पूर्व क्रिकेटर ने अपने कश्मीर दौरे के कई वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए। मंगलवार को, उन्होंने अपने परिवार के साथ शिकारा की सवारी का आनंद लिया और लुभावनी डल झील की झलक देखी।

संक्षिप्त समाचार

बीसीसीआई के सख्त रुख के बाद रणजी टीम में लौटे अय्यर

मुंबई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की धमकी के बाद बल्लेबाज श्रेयस अय्यर तमिलनाडु के खिलाफ 2 मार्च से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के लिए मुम्बई टीम से खेलने के लिए तैयार हो गये हैं। इसके बाद उन्हें मुंबई की 16 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। इससे पहले मुम्बई ने बड़ौदा के खिलाफ मुम्बई का क्वार्टर फाइनल मैच ड्रॉ रहा था जिसके बाद मुंबई ने पहली पारी की बढ़त के कारण सेमीफाइनल में जगह बनायी। वहीं इससे पहले अय्यर को इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम 3 टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया था। इसके बाद अय्यर और ऑलराउंडर शिवम दुबे ने फिटनेस का हवादा देकर क्वार्टर फाइनल मैच नहीं खेला था। वहीं इससे नाराज भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने कहा था कि राष्ट्रीय टीम में जगह के लिए सभी फिट खिलाड़ियों के लिए घरेलू टीम में खेलना जरुरी है। इसके बाद एनसीए में हुई फिटनेस जांच में अय्यर पूरी तरह से ठीक पाये गये। इसी के बाद अय्यर ने रणजी खेलने का फैसला किया।

मुंबई टीम इस प्रकार है- अजिंक्य रहाणे, श्रेयस अय्यर, पृथ्वी साव, भूपेन लालवानी, अमोघ भटकल, मुशीर खान, प्रसाद पवार, हार्दिक तमोरे, शार्दुल ठाकुर, शम्स मुलानी, तनुष कोटियन, आदित्य धूमल, तुषार देशपांडे, मोहित अवस्थी, रॉयस्टन डायस और धवल कुलकर्णी।

नामीबिया के निकोल ने लगाया टी20 का सबसे तेज शतक

कीर्तिपुर । नामीबिया के यान निकोल ने त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज के पहले ही मैच में नेपाल के खिलाफ 33 गेंद में शतक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। इसी के साथ ही निकोल टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इसी के साथ ही निकोल ने नेपाल के कुशाल मल्ला के 34 गेंद में शतक के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। मल्ला ने पिछले साल हांगझोउ एशियाई खेलों के दौरान सबसे तेज शतक लगाया था। निकोल ने केवल 36 गेंद में ही 101 रन बना दिये। उन्होंने अपनी पारी में 11 चौके और 8 छक्के लगाए और इस दौरान 280.55 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अपनी पारी में 92 रन केवल बाउंड्री से ही बना दिये। यह उनका पहला अंतरराष्ट्रीय शतक है। निकोल के अलावा सलामी बल्लेबाज मलान क्रूगर ने भी नाबाद 59 रन बनाये। इससे नामीबिया ने 4 विकेट पर 206 रन बनाए। वहीं इसके जवाब में नेपाल की टीम 19वें ओवर में 186 रन ही बना पायी। नेपाल की ओर से दीपेंद्र सिंह ऐरी ने सबसे ज्यादा 48 रन बनाये।

आईपीएल से ठीक पहले धोनी के बल्लेबाज ने आक्रामक शतक लगाकर अपने इरादे जाहिर किये

नई दिल्ली ।

अगले माह शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से ठीक पहले मुंबई के तुषार देशपांडे ने रणजी ट्रॉफी में अपने आक्रामक अंदाज को दिखाया है। तुषार ने क्वार्टर फाइनल में 11वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए केव 129 गेंदों पर ही 123 रन बना दिये। तुषार ने अपनी इस पारी में 10 चौके और 8 छक्के लगाये थे। इस प्रकार उन्होंने 123 में से 88 रन केवल चौके और छक्के से ही लगा दिये।

आईपीएल में तुषार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम में हैं। ऐसे में अब आईपीएल में भी उनसे धमाकेदार प्रदर्शन की उम्मीद है। सीएसके ने तुषार को 2022 में अपनी टीम में शामिल किया था। उन्हें 20 लाख रुपए के आधार मूल्य पर टीम से जोड़ा गया था पर तुषार ने अपनी कीमत से कहीं बेहतर प्रदर्शन करते हुए 23 मैच में 25 विकेट ले लिए।

तुषार के नाम अब तक आईपीएल के 23 मैचों में 21 रन हैं। इसीलिए रणजी में उनके शतक को देखकर सभी को हैरानी हुई। हालांकि, यह नहीं कहा जा सकता कि तुषार ने पहली बार बल्लेबाजी में ये कारनामा कमाल किया है। आईपीएल के पिछले सत्र में अब तक 23 मैचों में ही तीन बार उन्हें बल्लेबाजी का अवसर मिला था। इसमें वह दो बार वे नाबाद रहे थे। रणजी ट्रॉफी में भी उनके नाम पहले से एक अर्धशतक था। इसीलिए उन्हें कमजोर बल्लेबाज नहीं माना जा सकता। उन्होंने बड़ौदा के खिलाफ अपनी शतकीय पारी के दौरान 10वें नंबर के बल्लेबाज तनुष कोटियान के साथ 232 रन की साझेदारी की थी।

कॉनवे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट से बाहर हुए , निकोल्स शामिल

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे अंगूठे में लगी चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाले पहले टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे। उनकी जगह बल्लेबाज हेनरी निकोल्स को टीम में जगह दी गयी है। कॉनवे को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 मैच के दौरान बाएं अंगूठे में चोट लग गई थी। इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। वहीं न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि स्कैन जांच के बाद कॉनवे को बाहर करने का फैसला किया गया। इसमें पता चला कि उनके बाएं अंगूठे में चोट लगी है। वहीं कोच गैरी स्टीड ने कहा, डेवोन के लिए एक अहम मैच से ठीक पहले बाहर होना निराशाजनक बात है। वह हमारे लिए शीर्ष क्रम पर बल्लेबाजी करने वाला शानदार खिलाड़ी है। वहीं स्टीड ने उनकी जगह निकोल्स की टीम में वापसी का स्वागत करते हुए कहा, हेनरी जैसी क्षमता वाले खिलाड़ी को टीम में शामिल करना अच्छा है क्योंकि उनके पास काफी टेस्ट अनुभव है। न्यूजीलैंड टीम अभी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप अंक तालिक में सबसे आगे है जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम तीसरे स्थान पर है।

न्यूजीलैंड टीम इस प्रकार है - टिम साउदी (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), हेनरी निकोल्स, मैट हेनरी, स्कॉट कुगलेइजन, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, विल ओरूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, नील वैगनर (सेवानिवृत्त), केन विलियमसन और विल यंग।

हुसैन ने जुरेल, शुभमन और यशस्वी की जमकर प्रशंसा की

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने भारतीय टीम के युवा खिलाड़ियों की जमकर प्रशंसा की है। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में जीत दिलाने में युवा खिलाड़ियों ध्रुव जुरेल, शुभमन गिल और यशस्वी जायस्वाल व कुलदीप यादव ने अहम भूमिका निभाई थी। इन तीनों ने इस मैच को भारतीय टीम की ओर मोड़ दिया था। जुरेल के 90 रनों की सहायता से भारतीय टीम ने पहली पारी में 307 रन बनाए। इस दौरान कुलदीप यादव के साथ मिलकर उन्होंने 76 रन बनाये। वहीं इसके बा इंग्लैंड दूसरी पारी में आर अश्विन और कुलदीप यादव की शानदार गेंदबाजी से मेहमान टीम 145 रनों पर ही सिमट गयी। लक्ष्य का पीछा करते हुए शुभमन और जुरेल ने 52 और 39 रन बनाकर टीम को जीत दिलायी। हुसैन ने इन दोनों की पारियों की सराहना करते हुए कहा, ''शुभमन ने अपना स्तर और धैर्य दिखाया जबकि जुरेल ने दो मैचों में विकेटकीपर और बल्लेबाज के रूप में शानदार प्रदर्शन किया।'' वहीं इंग्लैंड के प्रदर्शन पर उन्होंने कहा कि मेहमान टीम तीसरे दिन ही मैच हार गई थी। हुसैन ने कहा, ''पहली पारी के बाद भारतीय टीम ने मैच पर शिकंजा कस दिया।।''

रांची में मिली हार से सीख सकती है इंग्लैंड : नासिर हुसैन

भारत जैसी मजबूत टीम से हारने में शर्म की बात नहीं

रांची । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा है कि भारत जैसी मजबूत टीम से हारना कोई शर्म की बात नहीं है। हुसैन ने कहा कि भारतीय टीम अभी विश्व क्रिकेट में काफी अच्छी है। इसी कारण वह एक मैच पहले ही सीरीज जीतने में सफल रही है। भारतीय टीम ने रांची में तीन मैचों की सीरीज के चौथे टेस्ट में पांच विकेट की जीत के साथ ही 3-1 की सीरीज अपने नाम कर ली है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि अगर उनकी टीम चाहे तो रांची टेस्ट से काफी कुछ सीख सकती है। हुसैन ने कहा, इंग्लैंड ने आज खेल नहीं हारा, वे कल ही खेल हार गए थे। भारतीय टीम ने एकदम से बाजी पलटी। मेरा मानना है कि भारतीय टीम ने पूरी सीरीज में जिस तरह से खेला है उसको देखते हुए वे जीत के अधिकारी थे। भारतीय टीम अपने कुछ अनुभवी खिलाड़ियों के बिना ही उतरी थी फिर भी वह अपने युवा खिलाड़ियों के बल पर बेहतर प्रदर्शन में सफल रही। हुसैन ने साथ ही कहा कि कई बड़े खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के बावजूद टीम इंडिया के घरेलू रिकॉर्ड को तोड़ना संभव नहीं है। इसी कारण उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा है पर इसके बाद भी इंग्लैंड को सीरीज में मिली हार से निराश नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, उनका घरेलू रिकॉर्ड बिल्कुल अद्भुत है, इसलिए इस भारतीय टीम से हारना कोई शर्म की बात नहीं है। किसी भी टेस्ट श्रृंखला या यहां तक कि किसी भी टेस्ट मैच की तरह, आप प्रमुख क्षेत्रों को देखते हैं, जहां आपके हाथ से खेल निकल जाता है ओर यही हमारी टीम के साथ हुआ। इसी कारण जो बढ़त 100 रन की हो सकती थी वह 46 रन पर ही रह गयी। चौथे टेस्ट को जीतने के लिए इंग्लैंड को चौथे दिन सभी दस विकेट की जरुरत थी और तीसरे दिन के अंत तक भारतीय बल्लेबाजों ने हमें सफल नहीं होने दिया। भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन कर अपनी टीम को मैच में वापसी करायी। वहीं बल्लेबाजी के औरान शुभमन गिल और ध्रुव जुरेल के बीच हुई 72 रनों की साझेदारी ने टीम को जीत दिला दी। हमारी टीम शुरुआत पांच विकेट लेने के बाद भी भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव नहीं बना पायी जिससे उसे हार का सामना करना पड़ा। हुसैन ने कहा, इंग्लैंड ने भी अच्छा प्रदर्शन किया, उन्होंने जितना संभव हो सके उतना संघर्ष भी किया, उन्होंने चौथे दिन विकेट हासिल किए और जब लंच के तुरंत बाद उन्होंने सरफराज और जडेजा को आउट किया तो लगा की अब मैच हाथ में आ गया पर इसके बाद शुभमन और ध्रुव ने मैच हमारे हाथ से छीन लिया।

जतिन की आक्रामक बल्लेबाजी से छत्तीसगढ़ वॉरियर्स ने तेलंगाना को हराया

ग्रेटर नोएडा ।

जतिन सक्सेना ने इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग (आईवीपीएल) में आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया है। जतिन ने 33 गेंदों पर ही 92 रन बना दिये। जतिन के अलावा नमन ओझा ने 23 गेंदों पर 49 रन बनाये। इसकी बदौलत छत्तीसगढ़ वॉरियर्स ने तेलंगाना टाइगर्स को 9 विकेट से हराया। तेलंगाना टाइगर्स ने इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 150 रन बनाए। इसके बाद छत्तीसगढ़ वॉरियर्स ने जीत के लिए मिला लक्ष्य नमन ओझा और जतिन सक्सेना की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत 11वें ओवर में ही हासिल कर लिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए तेलंगाना की शुरुआत अच्छी थी पर क्रिस गेल का विकेट गिरने से टीम मुश्किल में फंस गयी। गेल के आउट होने के बाद एसएस भरत कुमार और शैख समीर भी पेवेलियन लौट गये। इसके बाद रिकार्डो पॉवेल और मनप्रीत गोनी ने अच्छी साझेदारी कर टीम को संभाला। पॉवेल ने 18 गेंद पर 37 रन और गोनी ने 19 गेंद पर 30 रन बनाए। इसके बाद 151 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए छत्तीसगढ़ वॉरियर्स की ओर से नमन ओझा और जतिन सक्सेना ने अच्छी शुरुआत कर पहले विकेट के लिए 141 रन बनाये। टीम को जीत करीब पहुंचाने के बाद जतिन 92 रनों पर आउट हो गए। उसके अन्य बल्लेबाजों ने टीम को जीत दिलायी।

सूरत के डुमस में कपड़ा गोदाम में लगी भीषण आग, टाइम सिग्नल का सहारा लेकर बाहर भागे मजदूर

सूरत। सूरत के डुमस इलाके में एक कपड़ा गोदाम में अचानक अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना अग्निशमन विभाग को देने के बाद तीन फायर स्टेशनों से 8 से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। जहां फायर कर्मियों ने पानी चलाकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। अग्निशमन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के डुमस पुलिस के पास बंसारी फार्म के सामने एक कपड़े का गोदाम है, जहां आज दोपहर चार बजे अचानक आग लग गई। तो गोदाम में काम करने वाले दो-तीन मजदूर बाहर चले गए। कपड़ा गोदाम में आग लगने की सूचना अग्निशमन विभाग को दी गयी। कपड़े के गोदाम में आग लगने के कारण वेसू मथुरा और अडाजण तीन फायर स्टेशनों से 8 से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने पानी की बौछार कर आग पर काबू पाने का प्रयास किया।

गोदाम में काम करने वाले कवि नाम के युवक ने बताया कि आग गोदाम के पीछे झाड़ियों में लगी, जिसके बाद फैलती हुई हमारे गोदाम तक पहुंच गई. जिस वक्त आग लगी उस वक्त दो से तीन मजदूर काम कर रहे थे। जिसे टाइम इंडेक्स का उपयोग करके बाहर निकाला गया। इसलिए कोई हताहत नहीं हुआ।

दक्षिण पूर्व (लिंबायत) जोन क्षेत्र में मीठीखाड़ी से नीलगिरि सर्कल तक 24.00 मीटर चौड़ी “0” दबाव सड़क के उद्घाटन का विवरण

सूरत।

सूरत महानगर पालिका के दक्षिण पूर्व (लिंबायत) जोन क्षेत्र में एफएटीपी स्कीम नंबर-39 (उधना-लिंबायत) के मीठीखाड़ी से नीलगिरि सर्कल तक 24.00 मीटर चौड़ी “0” दबाव वाली सड़क के कारण होने वाले दबाव को दूर करने का कार्य दिनांक 27/02/2024 को आरंभ किया गया, जिसका संदर्भ दिनांकित है 28/02/2024 को नीलगिरि सर्कल से मीठीखाड़ी तक “0” दबाव सड़क से प्रभावित शीट शेड (लगभग 540.00 वर्ग फीट) और शीट शेड की 93 दुकानें (लगभग 2232.00 वर्ग फीट) हटा दिए गए। 1,22,000/- रूपये का जुर्माना वसूला गया। सड़क खोलने के लिए 01 पीआई, 05 पीएसआई, 78 कांस्टेबल, 10 ट्रैफिक पुलिस, 05 ठेला-बेलदार, सुरक्षा स्टाफ और तकनीकी स्टाफ की मदद से दबाव राहत कार्य किया गया है. सूरत नगर निगम द्वारा 24.00 मीटर चौड़ी इस सदर सड़क के उद्घाटन के साथ, मीठीखाड़ी से नीलगिरि सर्कल तक सदर क्षेत्र में यातायात का भार काफी कम हो जाएगा, जो घनी आबादी वाला क्षेत्र है। इसके अलावा, ये सभी कार्रवाई सूरत नगर निगम द्वारा दक्षिण पूर्व जोन के उपायुक्त और कार्यकारी अभियंता के नेतृत्व में पूरी की गई है।

सूरत के बजट में पैसा होने के बावजूद समिति के बच्चे खेल महोत्सव से वंचित हैं

सूरत।

शिक्षा समिति में विपक्ष के नेता ने समिति के अध्यक्ष के समक्ष प्रस्तुत किया है. बच्चों के खेलने के लिए बजट में पैसा आवंटित किया जाता है, लेकिन हुक्मरानों की निष्क्रियता के कारण बच्चे समय पर इसका लुत्फ नहीं उठा पाते। नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के अध्यक्ष तो बदल गये, लेकिन प्रशासन में कोई बदलाव नहीं दिख रहा है। बच्चे खेल से वंचित।

व्यायाम और खेल शिक्षा के साथ-साथ जीवन का भी अभिन्न अंग हैं। इस पर गंभीरता से काम करना हर शिक्षण संस्थान का कर्तव्य है। नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के बजट में शारीरिक शिक्षा और खासकर खेलकूद के लिए पैसा आवंटित किया जाता है, लेकिन उचित नियोजन के अभाव में पैसे का सदुपयोग नहीं हो पाता है। परिणामस्वरूप बच्चे अपने अधिकारों से वंचित रह जाते हैं। 2020-21 में स्कूली खेलों पर केवल 4.71 लाख रुपये, 2022-23 में केवल 3.05 लाख रुपये और 2023-24 के पहले 6 महीनों में केवल 1.54 लाख रुपये खर्च किए गए।

शीतकाल में बच्चों को खेल महोत्सव में खेलने की अनुमति नहीं होगी

नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के प्रतिपक्ष नेता राकेश हिरपारा ने कहा कि खेल महोत्सव शीतकाल में होना है, इसलिए बजट में पैसा आवंटित किया जाता है, फिर इसकी योजना पहले से क्यों नहीं बनाई जाती? यह काम हर साल देर से क्यों होता है? पिछले साल भी खेल महोत्सव फरवरी के अंत और मार्च की शुरुआत में आयोजित किया गया था। गर्मी बढ़ने से बच्चे काफी असहज थे। जल्दबाजी के लिए किये गये कार्यक्रम दिल को कायम नहीं रखते। इस मामले पर बार-बार महासभा के माध्यम से सभापति का ध्यान आकृष्ट कराया गया है, लेकिन इस वर्ष भी इस स्थिति में कोई सुधार नहीं देखा गया है। इस वर्ष खेल महोत्सव का आयोजन गर्मी शुरू होने से तुरंत पहले किया जाना चाहिए और हर वर्ष खेल महोत्सव का आयोजन समय पर किया जाना चाहिए।

अवैध रूप से बिक रही सिगरेट की मात्रा के साथ व्यापारी गिरफ्तार

सूरत। सूरत के अडाजण इलाके में एसओजी पुलिस ने एक तंबाकू कारोबारी के यहां छापा मारा। पुलिस को व्यापारी द्वारा प्रतिबंधित स्वास्थ्य चेतावनी के बिना अवैध रूप से बेची जाने वाली सिगरेट और ई-सिगरेट की मात्रा मिली। पुलिस ने ऐसी 12 से अधिक सिगरेट जब्त कर कारोबारी को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए एसओजी पुलिस की एक टीम ने दुकान पर छापा मारा।

सूरत एसओजी पुलिस सूरत शहर में बिना स्वास्थ्य चेतावनी के अवैध रूप से सिगरेट, ई-सिगरेट और ई-हुक्का बेचने वाले पान गल्लों और थोक तंबाकू उत्पाद विक्रेताओं पर कड़ी नजर रख रही है। इस बीच, एसओजी के हेड कांस्टेबल शैलेश कांतिलाल को सूचना मिली कि अडाजण अलीशान कॉम्प्लेक्स की दुकान नंबर जी-10 में थोक तंबाकू बेचने वाले अंबिका ट्रेडर्स ने अवैध रूप से बेची जाने वाली सिगरेट की मात्रा बिक्री के लिए रखी है। सूचना के आधार पर एसओजी पुलिस टीम ने दुकान पर छापा मारा।

एसओजी पुलिस ने दुकान पर छापा मारा और स्वास्थ्य चेतावनी के बिना अवैध रूप से बेची जाने वाली एसेलाइट, डेजाराम ब्लैक और वीन किंग साइज की सिगरेट बरामद की।

पुलिस ने दुकान से रुपये बरामद किये. 12 हजार रुपये कीमत के 61 पैकेट जब्त कर दुकानदार मनीष उत्तम पटेल को गिरफ्तार कर लिया गया। घटना को लेकर एसओजी पुलिस ने अडाजण पुलिस में मामला दर्ज कर आरोपी दुकानदार मनीष की हिरासत अडाजण पुलिस को सौंप दी है। फिलहाल इस मामले में अडाजण पुलिस आगे की जांच कर रही है।

सूरत में 35 साल के शख्स की धड़कन रुकी: सीने में दर्द होने पर दोस्त के साथ रिक्शे से अस्पताल पहुंचा लेकिन बच नहीं

सूरत।

सूरत समेत राज्य में हार्ट अटैक से मौतें बढ़ रही हैं। उस वक्त आशंका जताई जा रही है कि सूरत में एक और युवक की हार्ट अटैक से मौत हो गई. 35 वर्षीय युवक को सीने में दर्द होने पर एक दोस्त अस्पताल ले गया। हालांकि, ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने जांच की और उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत से परिवार का सहारा छिन गया है। वह सिलाई मशीन चलाकर अपना जीवन यापन करता था।

जानकारी के मुताबिक, 35 वर्षीय जितेंद्र कुमार गौतम मूल रूप से उत्तर प्रदेश और सूरत के पर्वतगाम इलाके में स्थित संतोष नगर में रहते थे। परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी हैं जो पैतृक भूमि पर रहते हैं। वहीं, जीतेंद्र 8 महीने पहले रोजगार की तलाश में सूरत आया था और दोस्तों के साथ रह रहा था। वर्तमान में, वह अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए सिलाई मशीन ऑपरेटर के रूप में काम कर रहे थे।

कल जितेंद्र घर पर मौजूद था। इसी बीच अचानक उनके सीने में दर्द होने लगा. तो साथी दोस्त दवा लेकर आये और वह थोड़ा ठीक हो गये। इसके बाद दोबारा सीने में दर्द होने पर साथी दोस्त जितेंद्र को रिक्शा में लेकर स्मीमेर अस्पताल पहुंचे। हालांकि, ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया. परिवार में मातम।

युवक की मौत की सूचना जब गृहनगर में रह रहे परिवार को दी गई तो पत्नी सदमे में आ गई। जब दो बच्चों के सिर से पिता की छत्रछाया छिन गई तो परिवार में मातम छा गया। फिलहाल आशंका जताई जा रही है कि युवक की मौत हार्ट अटैक से हुई है। वहीं परिजनों द्वारा पोस्टमार्टम के बाद शव को घर ले जाने का प्रयास किया गया।

सूरत। बाजरा जैसी फसलों का भोजन में अधिक से अधिक उपयोग कर लोग स्वस्थ एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। इसके लिए, राज्य सरकार के कृषि, किसान कल्याण और सहायता विभाग द्वारा सूरत शहर में 1 से 3 मार्च तक शाम 4 बजे से रात 10 बजे तक श्री दयालजी अनाविल केलवानी मदाल दयालजी देसाई चौक, मजूरागेट, सूरत में बाजरा एक्सपो का आयोजन किया जाएगा। जिसका उद्घाटन एक मार्च को शाम चार बजे मंत्री द्वारा किया जायेगा। इस महोत्सव में दक्षिण गुजरात के जिलों में विभिन्न किसान समूहों द्वारा बाजरा और उनसे बने विभिन्न व्यंजनों और प्राकृतिक खेती द्वारा उत्पादित विभिन्न कृषि उत्पादों की लगभग 50 प्रदर्शनी और बिक्री स्टॉल लगाए गए हैं। मिलिटस व्यंजनों का एक खाद्य कोट रखा गया है। जिसमें बड़ी संख्या में शहरी निवासियों से लाभ उठाने का अनुरोध किया गया है।

सैमसंग द्वारा रु. 17,999 गैलेक्सी A15 5G के नए मेमोरी वेरिएंट की घोषणा की गई

गुरुग्राम। भारत के विशाल उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज रु. की घोषणा की। 16,499 रुपये में Galaxy A15 5G का नया स्टोरेज वेरिएंट 6GB+128 GB लॉन्च करने की घोषणा की गई है। नए स्टोरेज वेरिएंट के जुड़ने से गैलेक्सी ए15 5जी खरीदने के इच्छुक उपभोक्ताओं को अधिक विकल्प मिलते हैं। स्मार्टफोन वर्तमान में 8GB+256GB और 8GB+128GB स्टोरेज वेरिएंट में उपलब्ध है और तीन ताज़ा रंगों ब्लू ब्लैक, ब्लू और लाइट ब्लू में आता है।

Galaxy A15 5G 2023 के लिए भारत का नंबर काउंटरप्वाइंट रिसर्च का कहना है कि बेचे गए 5G स्मार्टफोन गैलेक्सी A14 5G के पूर्ववर्ती हैं, और किफायती कीमतों पर परिवर्तनकारी नवाचार देने की सैमसंग की क्षमता को प्रदर्शित करते हैं, जिससे वे भारत में लाखों उपभोक्ताओं की पहली पसंद बन जाते हैं।

गैलेक्सी A15 5G में हेज़ फिनिश में ग्लासी बैक पैनल के साथ प्रीमियम अनुभव के लिए गैलेक्सी के सिग्नेचर डिज़ाइन दर्शन की सुविधा है। साइड पैनल पर मुख्य कुंजी द्वीप डिज़ाइन और फ्लैट लीनियर कैमरा हाउसिंग बेहतर पकड़ के लिए एक अद्वितीय सिल्हूट बनाते हैं।

Galaxy A15 5G में 6.5 इंच का सुपर AMOLED डिस्प्ले है, जो विजन बूस्टर के साथ 90Hz रिफ्रेश रेट और आंखों को आराम देने के लिए कम नीली रोशनी वाले डिस्प्ले के साथ एक सहज, उज्ज्वल और अनुकूलन योग्य देखने का अनुभव बनाता है।

Galaxy A15 5G में प्रोफ़ाइल में उत्कृष्ट सेल्फी के लिए 13MP का फ्रंट कैमरा है, जिसमें अस्थिर या अस्थिर गतिविधियों से वीडियो में धुंधलापन या विकर्षण को कम करने के लिए VDIS के साथ 50MP ट्रिपल कैमरा सेटअप है।

वित्त वर्ष 2024 में 9 महीने की अवधि में शीर्ष 10 निजी जीवन बीमाकर्ताओं में बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने दर्ज की सबसे अधिक बढ़ोतरी

पुणे। भारत की अग्रणी निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी ने अपनी परिवर्तनकारी यात्रा के माध्यम से अपने बिजनेस पेरामीटर्स को बढ़ाना जारी रखा है। वित्त वर्ष 2024 में 9 महीने की अवधि के परिणाम भारतीय जीवन बीमा उद्योग में अन्य निजी खिलाड़ियों की तुलना में इसके उत्कृष्ट प्रदर्शन को दर्शाते हैं।

वित्त वर्ष 2024 में 9 महीने की अवधि के लिए कंपनी का व्यक्तिगत रेटेड नया व्यवसाय (IRNB) पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 24% बढ़ा। यह उद्योग के औसत द्वारा प्रदर्शित वृद्धि का लगभग तीन गुना था। व्यक्तिगत रेटेड नए व्यवसाय (आईआरएनबी) में बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस की तीन साल (वित्त वर्ष 2020 से वित्तीय वर्ष 2023) 39% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) कंपनी के मजबूत विकास पथ की पुष्टि करती है। व्यक्तिगत व्यवसाय में मजबूत वृद्धि और प्राप्त नवीकरण प्रीमियम के कारण, कंपनी का GWP वित्त वर्ष 2024 के 9 महीनों में 14,860 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 13,028 करोड़ रुपये था।

ऑटो-भुगतान पंजीकरण, डिजिटल भुगतान इत्यादि जैसी पहलों के माध्यम से नवीनीकरण भुगतान प्रक्रियाओं को बढ़ाने पर मजबूत फोकस के कारण अधिकांश क्षेत्रों में लगातार बेहतर स्थिति बनी हुई है। 31 दिसंबर, 2023 तक पर्सिस्टेंसी 13वें महीने के लिए 83%, 37वें महीने के लिए 65% और 61वें महीने के लिए 51% थी। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 की 9वीं तिमाही में नवीनीकरण प्रीमियम में 31% की मजबूत वृद्धि दर्ज की। पर्सिस्टेंसी में सुधार के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों के कारण यह संभव हुआ। इसके अतिरिक्त मजबूत आईआरएनबी विकास और विविध उत्पाद मिश्रण पर ध्यान केंद्रित करने के कारण नए व्यापार मूल्य (एनबीवी) में 9त्न की वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 2023 के 9 महीनों के लिए 535 करोड़ रुपये से बढ़कर 9 महीनों के वित्त वर्ष 24 के लिए 581 करोड़ रुपये हो गया।

वित्त वर्ष 2024 की 9 महीने की अवधि के लिए बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस की मुख्य व्यावसायिक विशेषताएं:

वित्त वर्ष 2024 के 9 महीनों के लिए कर के बाद लाभ 457 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह राशि 364 करोड़ रुपये थी। इस तुलना में 26% की वृद्धि दर्ज की गई है।

नवीनीकरण प्रीमियम में 31त्न की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई।

शीर्ष 10 निजी जीवन बीमा कंपनियों में पॉलिसियों की संख्या (एनओपी) में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की गई, इस अवधि में 4.92 लाख पॉलिसियां लिखी गईं।

प्रबंधन के तहत संपत्ति इस अवधि में एक लाख करोड़ रुपये के मील के पत्थर को पार कर गई और 31 दिसंबर, 2023 तक 1,04,737 करोड़ रुपये थी।

वित्तीय वर्ष 2024 के 9 महीनों में 3,996 करोड़ रुपये के साथ व्यक्तिगत रेटेड नए व्यवसाय में 24% की वृद्धि हासिल की, जबकि वित्त वर्ष 2023 के 9 महीनों में यह राशि थी 3,222 करोड़ रुपये।

दिसंबर, 2023 के अंत तक कंपनी का सॉल्वेंसी अनुपात प्रभावशाली 446% पर है, जो इसकी मजबूत वित्तीय स्थिरता और अपने दायित्वों को पूरा करने की क्षमता को रेखांकित करता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)